A Daily News Magazine

इंदौर

बुधवार, 17 दिसंबर, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 81, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

नितिन नबीन: भाजपा में युवा नेतृत्व की नई आहट पर भरोसा

ललित गर्ग

दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी ने अपने राष्ट्रीय नेतृत्व की बागडोर युवा हाथों में सौंपने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए नितिन नबीन को पार्टी का नया कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया है। संकेत स्पष्ट हैं कि भविष्य में उन्हें ही पूर्णकालिक राष्ट्रीय अध्यक्ष घोषित किया जा सकता है। यह नियुक्ति केवल एक संगठनात्मक बदलाव नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की कार्यशैली, नेतृत्व-चयन और भविष्य-दृष्टि में आए एक बड़े परिवर्तन का उद्घोष है। भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड का यह निर्णय न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अब तक लिए गए साहसिक, अप्रत्याशित और दूरगामी परिणाम देने वाले निर्णयों की श्रृंखला का एक नया और महत्वपूर्ण अध्याय भी है।

नितिन नबीन बिहार की राजनीति में कोई नया नाम नहीं हैं। वे पांच बार विधायक रह चुके हैं और जमीनी राजनीति की बारीकियों से भलीभांति परिचित हैं। संगठन और सरकार-दोनों के अनुभव से संपन्न नितिन नबीन ने भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया है। इसके साथ ही संगठन के विभिन्न स्तरों पर उन्होंने जिस अनुशासन, रणनीतिक समझ और नेतृत्व क्षमता का परिचय दिया है, वही उन्हें इस पद के लिए स्वाभाविक विकल्प बनाता है। उनका राजनीतिक व्यक्तित्व केवल भाषणों तक सीमित नहीं, बल्कि संगठन खड़ा करने, कार्यकर्ताओं को जोड़ने और वैचारिक प्रतिबद्धता बनाए रखने की क्षमता से परिपूर्ण है। यही गुण भाजपा की आत्मा भी है- जहां व्यक्ति नहीं, संगठन सर्वोपरि होता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक स्थायी गुण रहा है-नए चेहरों पर भरोसा और पीढ़ीगत नेतृत्व का निर्माण। चाहे वह केंद्र सरकार में मंत्रियों का चयन हो, राज्यों में मुख्यमंत्रियों की नियुक्ति हो या संगठन में बदलाव-मोदी ने बार-बार यह साबित किया है कि वे भविष्य की राजनीति को आज गढ़ने में विश्वास रखते हैं। नितिन नबीन का चयन भी इसी विचारधारा का प्रतिफल है। यह निर्णय संकेत देता है कि भाजपा अब केवल चुनाव जीतने की पार्टी नहीं रहना चाहती, बल्कि अगले दो-तीन दशकों के लिए एक स्थायी वैचारिक और संगठनात्मक नेतृत्व तैयार कर रही है। युवा पीढ़ी, विशेषकर पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं को आकर्षित करने की दृष्टि से यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है।

भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष का पद केवल संगठनात्मक नहीं, बल्कि वैचारिक संतुलन का केंद्र भी होता है। इस पद पर नियुक्ति के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहमति और समर्थन अनिवार्य है। पिछले कुछ चुनावों में जिन परिस्थितियों का सामना पार्टी को करना पड़ा, उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि भाजपा संगठन और संघ के बीच पूर्ण सामंजस्य कितना आवश्यक है। ऐसे में नितिन नबीन का चयन यह संकेत देता है कि संघ और पार्टी नेतृत्व के बीच गहन विमर्श और सहमति के बाद ही यह निर्णय लिया गया है। यह नियुक्ति भाजपा को वैचारिक रूप से और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक ठोस प्रयास है।

नितिन नबीन के सामने सबसे बड़ी और तात्कालिक चुनौती पश्चिम बंगाल के आगामी चुनाव हैं। यह राज्य लंबे समय से भाजपा के लिए रणनीतिक और वैचारिक दोनों ही दृष्टियों से महत्वपूर्ण रहा है। यहां केवल सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति, राष्ट्रवाद और सामाजिक संतुलन की भी परीक्षा होती है। एक संगठनात्मक अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन की वास्तविक कसौटी यहीं होगी। यदि वे बंगाल में संगठन को नई धार देने, कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भरने और जनता के बीच विश्वास स्थापित करने में सफल होते हैं, तो उनका नेतृत्व स्वतः ही प्रमाणित हो जाएगा। यही वह मंच है, जहां उनका रुतबा, कौशल और रणनीतिक दृष्टि राष्ट्रीय राजनीति के सामने स्पष्ट होगी।

यही भाजपा की 'चमत्कार करने वाली' संगठनात्मक शैली है। नितिन नबीन का मनोनयन भी इसी परंपरा का हिस्सा है।

नितिन नबीन भारतीय राजनीति की उस पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने संगठनात्मक निष्ठा, वैचारिक स्पष्टता और सतत जनसंपर्क को अपनी राजनीतिक पहचान बनाया है। छात्र राजनीति से लेकर सक्रिय सार्वजनिक जीवन तक उनका सफ़र अनुशासन, कर्मठता, राष्ट्रीयता और संघर्ष की पाठशाला रहा है। वे जमीनी कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद स्थापित करने वाले, जनता की समस्याओं को संवेदनशीलता से समझने वाले और उन्हें प्रशासनिक व राजनीतिक मंचों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने वाले नेता के रूप में पहचाने जाते हैं। नितिन नबीन की कार्यशैली में युवाओं के प्रति विश्वास, विकासोन्मुख सोच और पारदर्शिता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वे पद को नहीं, दायित्व को प्राथमिकता देते हैं और संगठन के मूल्यों के अनुरूप निरंतर आगे बढ़ते रहे हैं।

नितिन नबीन सिन्हा कायस्थ समुदाय के एक भारतीय राजनीतिज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वह दिग्गज भाजपा नेता नवीन किशोर सिन्हा के बेटे हैं। ध्यक्ष के चुनाव तक कार्यभार संभालेंगे। वे वर्तमान में बिहार सरकार में सड़क निर्माण मंत्री है। उन्होंने 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों में लगभग 84,000 वोटों से जीत हासिल की। पिछले चुनाव में उन्होंने शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे लव सिन्हा को भारी अंतर से हराया था। 2 मार्च 2017 को, नबीन ने बिहार कांग्रेस के नेता अब्दुल जलील मस्तान के खिलाफ देशद्रोह का मामला दर्ज किया और उनकी नागरिकता पर सवाल उठाया। मस्तान ने कथित तौर पर एक रैली में भीड़ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर को जूतों से मारने के लिए कहा था।

भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक सशक्त संगठनात्मक आंदोलन है, जिसकी आत्मा उसका अनुशासित, समर्पित और वैचारिक रूप से सजग कार्यकर्ता है। पार्टी का संगठनात्मक ढाँचा बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक सहभागिता, संवाद और सामूहिक निर्णय की परंपरा को मजबूत करता है। संगठन नेतृत्व के प्रति कार्यकर्ताओं का अटूट विश्वास, स्पष्ट दिशा और नेतृत्व की पारदर्शिता भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। यहाँ कार्यकर्ता स्वयं को सत्ता का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सहभागी मानता है। यही कारण है कि भाजपा में नेतृत्व और कार्यकर्ता के बीच विश्वास, प्रतिबद्धता और परस्पर सम्मान का संबंध दिखाई देता है, जो पार्टी को निरंतर सशक्त और गतिशील बनाए रखता है।

नितिन नबीन का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में मनोनयन केवल एक व्यक्ति की नियुक्ति नहीं, बल्कि भाजपा के भविष्य की राजनीति का स्पष्ट संकेत है। यह युवा नेतृत्व, वैचारिक प्रतिबद्धता, संगठनात्मक अनुशासन और संघ-समन्वय का संगम है। यदि नितिन नबीन इस जिम्मेदारी को सफलतापूर्वक निभाते हैं- विशेषकर पश्चिम बंगाल जैसी कठिन राजनीतिक भूमि पर-तो वे न केवल भाजपा के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ेंगे, बल्कि भारतीय राजनीति में युवा नेतृत्व की नई परिभाषा भी गढ़ेंगे। यही वह क्षण है, जहां राजनीति केवल सत्ता का खेल नहीं, बल्कि दृष्टि, धैर्य और दूरदर्शिता का प्रमाण बन जाती है।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

जॉर्डन में पीएम मोदी को मिला खास सम्मान

● क्राउन प्रिंस खुद ड्राइव कर म्यूजियम ले गए, इथियोपिया रवाना हुए पीएम

अम्मान (एजेंसी)। जॉर्डन की आधिकारिक यात्रा के दौरान मंगलवार को पीएम मोदी को खास सम्मान दिया गया। क्राउन प्रिंस अल हुसैन बिन अब्दुल्ला ने खुद गाड़ी चलाकर प्रधानमंत्री मोदी को जॉर्डन म्यूजियम तक ले गए। इससे पहले मोदी भारत-जॉर्डन बिजनेस फोरम की बैठक में शामिल हुए। इसमें उन्होंने कहा कि भारत की विकास दर 8 प्रतिशत से ज्यादा है। यह बेहतर शासन और इनोवेशन पर आधारित नीतियों का नतीजा है। मोदी कल शाम जॉर्डन पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने जॉर्डन किंग अब्दुल्ला से मुलाकात की थी। दोनों देशों के बीच 5 अहम समझौते हुए। जॉर्डन दौरा पूरा करने के बाद पीएम इथियोपिया के लिए रवाना हो गए हैं।

● **किंग अब्दुल्ला बोले- मोदी के नेतृत्व में भारत ने जबरदस्त विकास किया-** किंग अब्दुल्ला ने कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने जबरदस्त विकास किया है। उन्होंने आगे कहा कि हम अपनी आर्थिक साझेदारी को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आप सभी के साथ काम करने के लिए तत्पर हैं।

● **मोदी बोले- भारत जॉर्डन का तीसरा बड़ा व्यापारिक साझेदार-** मोदी ने कहा कि भारत जॉर्डन का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। कारोबार की दुनिया में आंकड़ों का बहुत महत्व होता है। हम यहां सिर्फ आंकड़े गिनने नहीं आए हैं, बल्कि एक दीर्घकालिक रिश्ता बनाने आए हैं।

उमर अब्दुल्ला और सुप्रिया सुले ने दिया राहुल को झटका

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के वोट चोरी नैरेटिव को इंडिया गठबंधन के साथियों उमर अब्दुल्ला और सुप्रिया सुले ने ही तगड़ा झटका दिया है। उमर अब्दुल्ला ने साफ कर दिया कि इंडिया गठबंधन का कांग्रेस के वोट चोरी कैंपेन से लेना-देना नहीं है। दूसरी ओर, एनसीपी (एसपी) की सांसद सुप्रिया सुले ने लोकसभा में ही राहुल गांधी के दलीलों को खारिज कर दिया। सुले ने कहा कि उन्हें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन यानी ईवीएम पर पूरा भरोसा है। मैं इसी मशीन से चुनी गई हूं। अगर कोई गड़बड़ी है, तो मुझसे शुरुआत करें।

पश्चिम बंगाल की यूनिवर्सिटीज में राज्यपाल ही होगा चांसलर

● राष्ट्रपति ने संशोधन बिलों को मंजूरी नहीं दी मुख्यमंत्री को चांसलर बनाने का प्रस्ताव था

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में राज्य सरकार द्वारा चलाए जाने वाले यूनिवर्सिटीज के प्रशासनिक बदलाव को लेकर विवाद और गहरा गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन संशोधन विधेयकों को मंजूरी देने से इनकार कर दिया है, जिनके तहत राज्य के यूनिवर्सिटीज में चांसलर के पद पर राज्यपाल की जगह मुख्यमंत्री को नियुक्त करने का प्रावधान किया गया था। इस फैसले के साथ ही यह तय हो गया कि मौजूदा व्यवस्था बरकरार रहेगी और वर्तमान राज्यपाल सीवी आनंद बोस ही यूनिवर्सिटीज के चांसलर बने रहेंगे। मुख्यमंत्री को चांसलर बनाने का प्रस्ताव था एक अधिकारी ने बताया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा द्वारा पारित तीन संशोधन विधेयकों पश्चिम बंगाल यूनिवर्सिटी लॉज़ (संशोधन) बिल, 2022, आलिया यूनिवर्सिटी (संशोधन) बिल, 2022 और पश्चिम बंगाल यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (संशोधन) बिल, 2022 को राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली है। इन विधेयकों में राज्यपाल की जगह मुख्यमंत्री को राज्य सरकार द्वारा चलाए जाने वाले यूनिवर्सिटीज का चांसलर बनाने का प्रस्ताव रखा गया था। गौरतलब है कि राज्यपाल सी. वी. आनंद बोस ने इन तीनों विधेयकों को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित कर दिया था।

जानलेवा हुआ कोहरा मथुरा में 13 की मौत

● यमुना एक्सप्रेस-वे पर हादसा, 8 बसें-3 कारें टकराईं

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर कोहरे के चलते 8 बसें और 3 कारें भिड़ गईं। टक्कर होते ही गाड़ियों में आग लग गई। भाजपा नेता समेत 13 लोगों की जलकर मौत हो गई। 70 लोग घायल हैं। मरने वालों का आंकड़ा और भी बढ़ सकता है, क्योंकि बसों में कटे हुए अंग मिले हैं। पुलिस ने इन्हें 17 पॉलिथीन बैग में भरकर ले गई है। अब डीएनए टेस्ट से इनकी पहचान की जाएगी। हादसा थाना बलदेव क्षेत्र में माइलस्टोन 127 पर हुआ। पुलिस, फायर ब्रिगेड और एनडीआरएफ के 50 जवानों और 9 थानों की पुलिस ने 6 घंटे में रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा किया। हादसे के चलते एक्सप्रेस-वे पर 3 किमी लंबा जाम लग गया था। हादसे की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए गए हैं। आईजी प्रशासन अमरेश जांच का नेतृत्व करेंगे। टक्कर के बाद राहगीर ने पुलिस को फोन कर सूचना दी। पुलिस के पहुंचने से पहले आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शी भगवान दास ने बताया कि टक्कर के बाद ऐसा लगा जैसे बम फटा हो। लोग बसों के शीशे तोड़कर बाहर कूद रहे थे। थोड़ी देर में बसें जलकर राख हो गईं।

पीएम ने दुख जताया

पीएम मोदी ने हादसे पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने हादसे में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए देने का ऐलान किया गया है। हादसे की जांच के लिए टीम का गठन हादसे की जांच के लिए 4 सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। आईजी प्रशासन टीम का नेतृत्व करेंगे। उनके अलावा एसपी देहात, अधिशासी अभियंता और प्रवर्तन को भी शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में हुए महत्वपूर्ण निर्णय

मप्र में अब नहीं होंगे दैवेभो-स्थायीकर्मी, 7 कैटेगरी खत्म, स्थायी पदों में परिवर्तित करने मिली स्वीकृति

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में वंदे मातरम् गान के साथ शुरू हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा अनूपपुर, मंडला और डिंडोरी जिलों में अपर नर्मदा परियोजना, राघवपुर बहुउद्देशीय परियोजना और बसानिया बहुउद्देशीय परियोजना के डूब प्रभावितों के लिए 1,782 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज स्वीकृत किया गया। परियोजनाओं के डूब प्रभावितों के लिए डीपीआर में प्रावधानित 1656 करोड़ 2 लाख रुपये के अतिरिक्त 1,782 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज स्वीकृत किया गया है।

उल्लेखनीय है कि अपर नर्मदा परियोजना, राघवपुर बहुउद्देशीय परियोजना और बसानिया बहुउद्देशीय परियोजना 5,512 करोड़ 11 लाख रूपये की है। इससे 71 हजार 967 हेक्टेयर की सिंचाई सुविधा और 125 मेगावाट विद्युत उत्पादन प्रावधानित है। इन तीनों परियोजनाओं से कुल 13 हजार 873 परिवार प्रभावित होंगे, जिन्हें विशेष पैकेज अनुसार निर्धारित मुआवजा प्रति परिवार 12.50 लाख रूपये दिया जायेगा। इसके अलावा 50 हजार अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति परिवारों को अतिरिक्त राशि मुआवजा के रूप में देय होगा।

मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं अवसंरचना योजना के कार्यों को अनुमति

मंत्रि-परिषद द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए मुख्यमंत्री ग्राम सड़क एवं अवसंरचना योजना में विभाग में 10 लाख या उससे अधिक लागत राशि के कार्य स्वीकृत किए जाने की अनुमति प्रदान की गई। स्वीकृति अनुसार 693 करोड़ 76 लाख रूपये की लागत के लगभग 3810 कार्य पूर्ण किए जा सकेंगे।

मेट्रो रेल परियोजना के संचालन और रखरखाव के लिए राशि स्वीकृत- मंत्रि-परिषद द्वारा भोपाल एवं इंदौर मेट्रो रेल परियोजना के संचालन और रखरखाव के लिए वर्ष 2025-26 के लिए राजस्व मद में 90 करोड़ 67 लाख रुपये के बजट की स्वीकृति प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना को वर्ष 2030-31 तक निरंतर रखने की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना को वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 तक निरंतर रखे जाने और योजना के तहत 905 करोड़ 25 लाख रुपये के व्यय की स्वीकृति प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि योजना के तहत प्रदेश के 18-45 वर्ष के स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार के लिए 50 हज़ार से 50 लाख रूपये तक का ऋण बैंक द्वारा स्वीकृत किया जाता है। शासन द्वारा 3 प्रतिशत प्रतिवर्ष ब्याज अनुदान और 07 वर्ष तक ऋण गारंटी फीस अनुदान दिया जाता है। मंत्रि-परिषद द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2029-30 तक राज्य में 6 वन विज्ञान केंद्र की स्थापना के लिए 48 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई। स्वीकृति अनुसार प्रदेश में वन क्षेत्र के बाहर वानिकी विस्तार गतिविधियों को बढ़ाने, वन भूमि की उत्पादकता बढ़ाने, काष्ठ के विदोहन से अतिरिक्त आय के साधन के लिए जागरूकता बढ़ाने, वृक्ष खेती को बढ़ावा देने और कृषि वानिकी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वन विज्ञान केंद्र की स्थापना की जा रही है। अशासकीय संस्था द्वारा भी वन विज्ञान केंद्र की स्थापना, वन विभाग की अनुमति से की जा सकेगी। मंत्रि-परिषद ने राज्य शासन के विभिन्न विभागों में स्वीकृत स्थायी और अस्थायी पदों के विभेदीकरण को समाप्त करने के लिए स्वीकृति प्रदान की गई है।

शरद की सुबह

मैंने पानी से उसकी
नागरिकता चाही
पानी ने मेरी देह और मन को
पानी से लबालब कर दिया
मैंने हवा से उसकी नागरिकता चाही
हवा ने साँसों का उपहार देकर
मेरी याचना स्वीकार की
मैंने धरती से उसकी नागरिकता चाही
धरती ने हँसकर अपनी गोद में
मुझे बिठा लिया
मैंने अग्नि से उसकी नागरिकता चाही
अग्नि ने मेरी मृत्यु को अपने
अंक में ठौर दिया
आकाश से नागरिकता चाहने पर उसने मुझे
आज़ादी और उड़ान के अर्थ समझाए
और यूँ मुझे अपने अनन्त
विस्तार में शामिल किया
मैं आदि से अंत तक इस
ब्रह्मांड की नागरिक रही हूँ
यह पंचतत्व ही मेरी प्रथम और
अंतिम पहचान हैं
प्रेम मेरी आत्मा का मुक्त परिंदा है।
रही बात एक देश की नागरिकता की
तो इसे मैंने वैसे ही बा-खुशी
स्वीकार किया है
जैसे कि शादी में लिए जाते हैं सात वचन या
फूलों के पर्दे के पार से कहा जाता है
' क़ुबूल है, क़ुबूल है, क़ुबूल है '।

-पल्लवी त्रिवेदी

भोपाल का तापमान
अधिकतम 27 °c
न्यूनतम 23°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ बुधवार, 17 दिसंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
चाणक्य नीति

9 साल की बच्ची से रेप की कोशिश, हत्या

उज्जैन में पड़ोसी ने बोरी में भरकर मोगरी से पीटा; परिजन से कहा- छत से गिर गई

उज्जैन (नप्र)। मध्यप्रदेश में उज्जैन के खाचरोद में रेप करने में नाकाम होने पर 9 साल की बच्ची की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मासूम रविवार को नानी के घर आई थी। पड़ोस में ही रहने वाले शख्स ने पहले दुष्कर्म करने की कोशिश की। चिल्लाने पर उसने बच्ची को बोरी में बंद कर दिया। फिर मोगरी से लगातार वार किए।

गंभीर हालत में बच्ची को रतलाम के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान सोमवार को उसकी मौत हो गई।

बच्ची के छत से गिरने का बहाना बनाया- खाचरोद पुलिस ने बताया कि बच्ची रविवार को स्कूल की छुट्टी होने के कारण अपनी दो बड़ी बहनों के साथ नानी के घर आई थी। नानी और बड़ी बहनें रविवार दोपहर को छत पर बैठी थीं। बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। काफी देर तक बच्ची घर नहीं आई तो नानी ने उसकी बहन को भेजा लेकिन वह कहीं नहीं दिखी।

शाम करीब 5.45 बजे पड़ोस में रहने वाला रियाज खान अपने घर के अंदर से

रियाज खान, आरोपी

बेहोश बच्ची को उठाकर लाया। कहा- लड़की ऊपर से गिर गई है।

बच्ची का मुंह सूजा था। सिर, नाक, आंख पर चोट लगी थी। खून निकल रहा था। परिजन उसे लेकर खाचरोद अस्पताल पहुंचे। यहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे रतलाम रेफर कर दिया गया था।

डॉक्टर की रिपोर्ट से पीटने का खुलासा हुआ- खाचरोद एसडीओपी आकांक्षा बिछोटे ने कहा- डॉक्टर से बात करने पर पता चला कि बच्ची के शरीर पर गिरने के निशान नहीं है। उसे किसी हार्ड चीज से मारा गया है। इस पर पुलिस ने डॉग स्क्वाड और फोरेंसिक टीम को भेजकर रियाज के घर से सबूत इकट्ठा किए। इसके बाद रियाज खान से सख्ती से पूछताछ की तो वह टूट गया। उसने बताया कि घर में कोई नहीं था। बच्ची घर में आई तो उसे अकेला पाकर गलत काम करने का प्रयास किया। वो चिल्लाने लगी। हाथ-पैर पटकने लगी। गुस्से में आकर रियाज ने उसे धक्का दे दिया। वो जमीन पर गिरकर बेसुध हो गई। इसके बाद रियाज ने उसे बोरी में डालकर मोगरी से पीटा। मरा समझकर घर से बाहर निकल गया। बाद में लौटा तो देखा कि बच्ची की सांस चल रही है। रियाज बच्ची को उसकी नानी के पास ले गया। उसके छत से गिरने की झूठी कहानी सुनाई।

गोवा अग्निकांड: लूथरा ब्रदर्स को थाईलैंड से लाया गया दिल्ली

- *गोवा पुलिस ने एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया, 25 लोगों की मौत के बाद भागे थे*

नई दिल्ली (एजेंसी)। गोवा के नाइट क्लब 'बिर्च बाय रोमियो लेन' अग्निकांड मामले में मुख्य आरोपी सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को थाईलैंड से दिल्ली लाया गया है। भारतीय सुरक्षा अधिकारी दोनों भाइयों के साथ मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरे। दिल्ली एयरपोर्ट पर गोवा पुलिस की एक टीम ने दोनों को एयरपोर्ट पर ही गिरफ्तार कर लिया। अब उन्हें पटियाला हाउस कोर्ट में

ट्रांजिट रिमांड के लिए पेश किया जाएगा। ट्रांजिट रिमांड की इजाजत मिलते ही पुलिस दोनों को लेकर गोवा जाएगी। सौरभ और गौरव लूथरा बिर्च नाइट क्लब के मालिक हैं। क्लब में 6 दिसंबर को आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद दोनों भाई थाईलैंड भाग गए थे। थाईलैंड पुलिस ने 11 दिसंबर को फुकेट में दोनों भाइयों को हिरासत में लिया। आज सुबह उन्हें बैंकॉक से भारत डिपोर्ट किया गया था। सूत्रों के अनुसार, 9 दिसंबर को थाई अधिकारियों को पता चला कि भारतीय सुरक्षा एजेसियां जिन भाइयों को ढूंढ़ रही है, वे फुकेट में छिपे हैं। भारतीय एजेंसियों से इनपुट मिलने के बाद थाई अधिकारियों ने पहले ही होटलों पर नजर रखनी शुरू कर दी थी। 11 दिसंबर को जब दोनों भाई होटल से बाहर खाना खाने के लिए निकले तो थाई इमिग्रेशन और पुलिस अधिकारियों ने उनकी पहचान और यात्रा की डिटेल्स वेरिफाई की और पकड़ लिया।

अभ्युदय मप्र क्विज के पहले दिन 10 हजार से अधिक ने हल किये प्रश्न

भोपाल। भय नहीं, भ्रम नहीं, पूरा विश्वास, विरासत के साथ विकास के मूलमंत्र पर आयोजित आयोजित डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश क्विज से हजारों की संख्या में युवा, छात्र-छात्राएँ व आम जन जुड़ रहे है। बीते 24 घंटों में 20 हजार से अधिक लोगों ने प्रतियोगिता से संबंधित जानकारी लेने के लिए वीर भारत न्यास की वेबसाइट को देखा तथा 10 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने क्विज में भाग लेकर प्रश्?नों को हल कर प्रमाण पत्र प्राप्?त किया। मुख्यमंत्रीजी के संस्कृति सलाहकार एवं वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव श्रीराम तिवारी ने बताया कि यह प्रतियोगिता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने पिछले दो वर्षों में 'विरासत से विकास, संकल्प से समृद्धि' की अवधारणा को जांचने का एक माध्यम है। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विरासत से विकास पर आधारित 24 प्रश्?नों को रखा गया है। प्रतियोगिता के विजेताओं को स्वामी विवेकानंद जयंती (राष्ट्रीय युवा दिवस) 12 जनवरी 2026 को भोपाल में आयोजित समारोह में 24 भव्य पुरस्कार - लैपटॉप, ई-बाइक, ई-स्कूटी, 24 विक्रमादित्य वैदिक घड़ी तथा मुख्यमंत्री के साथ ॥ढ्ढ-ञ्जद्गड्ड का मौका मिलेगा। मुख्?यमंत्री के संस्?कृति सलाहकार ने कहा कि यह क्विज़ मध्यप्रदेश की विरासत को संरक्षित करते हुए विकास के प्रति विश्वास और समृद्धि के पथ पर संकल्प को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। क्विज का प्रभाव इतना व्यापक है कि मध्य प्रदेश सहित देशभर से प्रतिभागी डॉ. मोहन यादव सरकार के संकल्प से समृद्धि के दो साल पूर्ण होने पर इस क्विज में बढ़-चढ़ कर भाग ले रहे है। इतना ही नहीं मध्यप्रदेश की समृद्ध विरासत, विकासशील दृष्टिकोण और आत्मनिर्भर प्रदेश निर्माण के मूल मंत्र के लिए माननीय मुख्यमंत्रीजी डॉ. मोहन यादव जी को बधाई एवं शुभकामना संदेश भेज रहे हैं। श्रीराम तिवारी ने कहा विरासत का संरक्षण, सेवा भाव, सुशासन और दायित्वबोध के साथ माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने विकास के दो सफल वर्ष पूर्ण किए हैं। मध्यप्रदेश क्विज़ इसी दृष्टि का सशक्त माध्यम है, जो युवाओं को हमारी सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक चेतना और विकास यात्रा से जोड़ता है।

युवती को बीच सड़क पर गोली मारी,शादीशुदा आरोपी युवक ने खुद को भी गोली से उड़ाया

दतिया (नप्र)। दतिया में मंगलवार शाम करीब 5 बजे 25 वर्षीय शादीशुदा युवक ने बीच सड़क पर रास्ता रोक कर एक लड़की को गोली मार दी। इसके बाद खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। वहीं लड़की को दतिया के जिला अस्पताल से ग्वालियर रेफर किया गया है।दतिया जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में पदस्थ डॉक्टर कल्पित अग्रवाल ने बताया कि लड़की के सीने को चीरते हुए गोली निकल गई। वहीं लड़की ने बताया कि वह शाहपुर हनुमान मंदिर से सहेलियों के साथ दर्शन कर लौट रही थी, तभी आरोपी मानवेंद्र ने बिना कुछ बात किए उसे गोली मार दी और फिर खुद को गोली मार ली।

ट्रेन से विस्फोटक की तस्करी, 400 डेटोनेटर के साथ एक महिला और पुरुष गिरफ्तार

रीवा (नप्र)। रीवा जिले के डभौरा में पुलिस ने अवैध विस्फोटक की बड़ी खेप पकड़ी है। सोमवार रात पुलिस ने उत्तर प्रदेश से ट्रेन के जरिए विस्फोटक ला रहे एक पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 400 डेटोनेटर और केबल समेत अन्य सामग्री बरामद की गई है। दोनों आरोपी आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं।

खंडवा में तीन मकानों में आग, एक किसान जिंदा जल गया

खंडवा (नप्र)। खंडवा में मंगलवार सुबह तीन घरों में आग लग गई। एक किसान जिंदा जल गया। आग लगने के दौरान वह घर में अकेला था। 6 फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद तीन घंटे में आग पर काबू पाया।

किसान ने मुफ्त बांटे 200 क्विंटल तरबूज

खरगोन (नप्र)। खरगोन जिले में एक किसान की मेहनत पर पानी फिर गया। यहां टांडा बरूड गांव के एक किसान ने अपनी ढाई एकड़ की तरबूज की खड़ी फसल लोगों को मुफ्त में बांट दी। वजह थी- तरबूज का अंदर से लाल न निकलना और बाजार में बेहद कम दाम मिलना। खेत से ही लोग थैले भर-भरकर 200 क्विंटल से ज्यादा तरबूज ले गए।

हाईवे पर पिकअप की टक्कर से शिक्षक मां-बेटे की मौत

खरगोन में नशे में था ड्राइवर, हादसे के बाद गिरफ्तार

खरगोन (नप्र)। खरगोन में चित्तौड़गढ़-भुसावल राजमार्ग पर एक तेज रफ्तार लोडिंग पिकअप वाहन ने दो बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में शिक्षक मां-बेटे की मौत हो गई, बेटे ने मौके पर दम तोड़ा। जबकि गंभीर रूप से घायल आश्रम अधीक्षक शिक्षक मां ने निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ा।

हादसा मंगलवार सुबह 10.45 बजे का है। बाइक सवार शिक्षक ऋतुराज बिल्वे (25) निवासी ब्रजविहार खरगोन मां मधु के साथ स्कूल जा रहे थे। जामली गांव के पास सामने से तेज रफ्तार में आ रहे पिकअप ने एक के बाद एक दो बाइक को चपेट में ले लिया। हादसा भीषण था कि शिक्षकों की बाइक का अगला पहिया बाहर निकल गया। ऋतुराज की मौके पर मौत हो गई।

सूचना पर मौके पर खरगोन कोतवाली पुलिस पहुंची। ग्रामीणों की मदद से गंभीर घायलों को एम्बुलेंस की मदद से खरगोन जिला अस्पताल भिजवाया गया। मृतक ऋतुराज अपनी मां मधुबाई और साथी अतिथि शिक्षक प्रदीप तोताराम निवासी डालका के साथ रायसागर स्कूल जा रहे थे। मधुबाई बिस्टान कन्या आश्रम में शिक्षिका हैं।

घायल प्रदीप का कहना था कि पिकअप का ड्राइवर शराब के नशे में था। तेज रफ्तार लोडिंग वाहन ने दो बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे के बाद खरगोन कोतवाली पुलिस ने पिकअप जब्त किया। ड्राइवर की गिरफ्तार कर लिया है।

एसडीओपी रोहित लखारे ने कहा कि जामली के पास पिकअप की टक्कर में शिक्षकों की मौत हुई है। पिकअप जब्त कर ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है।

सिवनी में टायर फटने से यात्री बस पलटी

चालक सहित 12 से अधिक यात्री घायल; जबलपुर से नागपुर जा रही थी बस

सिवनी (नप्र)। सिवनी जिले के लखनादौन थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-34 पर चौथा मील के पास दोपहर लगभग 2 बजे एक यात्री बस का टायर फटने से बेकाबू होकर पलट गई। हादसे में चालक सहित 12 लोगों से अधिक यात्री घायल हो गए।जानकारी के अनुसार, रॉयल बस जबलपुर से नागपुर की ओर जा रही थी। चौथा मील के पास पहुंचते ही अचानक बस का टायर फट गया, जिससे बस सड़क पर पलट गई।

घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया-घटना की सूचना प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को दी। सूचना मिलते ही लखनादौन पुलिस और एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

लखनादौन थाना प्रभारी कीरत प्रसाद दुबे ने बताया कि बस पलटने से कुछ लोगों के घायल होने की सूचना मिली थी। पुलिस फिलहाल घटना की जांच कर रही है और घायलों के संबंध में विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है। जिस स्थान पर यह हादसा हुआ वहां लोगों व वाहनों का आना जाना अधिक होता है। घटना के समय लोग या वाहन मौजूद होते तो बड़ा हादसा हो सकता था।

खजुराहो फिल्म महोत्सव में पहुंचे एक्टर अनुपम खेर

चित्र प्रदर्शनी का किया शुभारंभ

खजुराहो (नप्र)। खजुराहो का 11वां अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव आज से शुरू हो रहा है। सात दिवसीय यह महोत्सव 22 दिसंबर तक खजुराहो के शिल्पग्राम में आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष का महोत्सव सिने स्टार धर्मेंद्र और असरानी को समर्पित है। शुभारंभ अवसर पर जाने-माने कलाकार अनुपम खेर और एक्ट्रेस दीपशिखा सहित देश के 10 जूरी सदस्य शामिल हुए। पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

एक्टर अनुपम खैर खजुराहो पहुंचने के बाद वे शिल्प ग्राम गए, जहां उन्होंने अपनी आगामी फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' के बारे में जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने महान कलाकारों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। कुछ ही देर में वे फिल्म महोत्सव का औपचारिक आगाज करेंगे। फिल्म महोत्सव के आयोजक राजा बुंदेला ने बताया कि पहले दिन मंच से फिल्म अभिनेता अनुपम खेर की नई फिल्म 'तन्वी द ग्रेट' का प्रदर्शन किया जाएगा। इस अवसर पर अनुपम खेर स्वयं मंच पर मौजूद रहेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि खजुराहो फिल्म महोत्सव के 11 साल के इतिहास में यह पहली बार है जब कोई फिल्म सीधे मंच से दिखाई जा रही है। शेष दिनों में फिल्में 7 टपरा टॉकीज में प्रदर्शित की जाएंगी।

भारतीय सीमा पर चीनी सेना की है खतरनाक प्लानिंग

पाकिस्तान का साथ पीएलए की 'गोल्डन विंडो' चाल का खुलासा

इस्लामाबाद/बीजिंग (एजेंसी)। चीन की सेना पीएलए के पश्चिमी थिएटर कमांड और पाकिस्तानी सेना ने वॉरियर पीएलए नाम से एक संयुक्त सैन्य

अभ्यास किया है। पाकिस्तान में दोनों सेनाओं का यह अभ्यास 14 दिसंबर को खत्म हो गया। इस दौरान चीन और पाकिस्तान की सेनाओं ने संयुक्त रूप से आतंकवाद निरोधक अभियान का अभ्यास किया। चीनी सेना ने एक बयान जारी करके कहा कि इस अभ्यास के दौरान क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को बनाए रखने की क्षमता का परीक्षण किया गया। साथ ही पाकिस्तान और चीन की परंपरागत दोस्ती को और ज्यादा मजबूत किया गया। चीन की सेना न केवल पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत पर दबाव बना रही है, बल्कि भारतीय सीमा के पास उसने ऐसी तैयारी कर ली है कि मात्र 24 से 48 घंटे में वह जंग के लिए अपने सैनिकों को तैनात कर सकती है। स्वराज्य की रिपोर्ट के मुताबिक पीएलए के लगातार हो रहे सैन्य अभ्यास से सेना के टेक्स्टबुक से यह खुलासा होता है।

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया-राहुल को राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी, सोनिया गांधी और 5 अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया। ईडी

ने कहा है कि वह इस आदेश के खिलाफ अपील दायर करेगी। राउज एवेन्यू कोर्ट के स्पेशल जज विशाल गोगने ने अपने आदेश में कहा कि इस मामले में दाखिल चार्जशीट एक व्यक्ति की निजी शिकायत से जुड़ी है, न कि प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत अनुसूचित अपराध से जुड़े एफआईआर पर।

विनोद नागर उज्जैन में साहित्य गौरव सम्मान से सम्मानित

डिप्टी सीएम बोले- अस्पतालों में पुरानी बिल्डिंग के कारण चूहों की समस्या

भोपाल। राजधानी के वरिष्ठ लेखक, पत्रकार, समीक्षक और स्तंभकार विनोद नागर को उज्जैन में साहित्य गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया है। श्री मौनतीर्थ हिन्दी विद्यापीठ द्वारा आयोजित पाँचवे राष्ट्रीय अधिवेशन में उन्हें यह सारस्वत सम्मान प्रदान किया गया। समारोह में महामंडलेश्वर डॉ. सुमनानंद गिरि सहित देश के विभिन्न भागों से आये लेखक एवं साहित्यकार उपस्थित थे।

इस अवसर पर मध्य प्रदेश नागर ब्राह्मण परिषद की उज्जैन शाखा के अध्यक्ष विजय शर्मा एवं डॉ. ललित नागर के नेतृत्व में नागर ब्राह्मण समाज की ओर से भी श्री नागर का अभिनंदन किया गया। अपने सम्मान के उत्तर में श्री नागर ने कहा कि सम्मान कभी छोटा या बड़ा नहीं होता बल्कि सम्मानित होने के बाद लेखक की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है तथा और बेहतर लिखने की प्रेरणा मिलती है। नागर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की भारतीय सूचना सेवा के वरिष्ठ अधिकारी रहे हैं और दूरदर्शन केंद्र, भोपाल से संयुक्त निदेशक (समाचार) के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद पिछले एक दशक से लेखन एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय हैं।

विवाह जब सिर्फ कागज पर रह जाए तो उसे तोड़ देना बेहतर

- तलाक के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। शादी के 24 साल पुराने एक विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए एक विवाह को भंग कर दिया है। अपने इस ऐतिहासिक फैसले के लिए सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के आर्टिकल 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल किया है। इस फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अदालत को ऐसे विवाह को नहीं बचाए रखना चाहिए, जो सिर्फ कागज पर बचे रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (15 दिसंबर, 2025) को यह फैसला सुनाया है। इसमें पति और पत्नी 24 वर्षों से अलग-अलग रह रहे थे। सर्वोच्च अदालत ने माना कि वैवाहिक जीवन के प्रति दंपति का दृष्टिकोण मौलिक रूप से अलग था और एक-दूसरे को समझने से लगातार इनकार किया जाना आपसी क्रूरता के समान था, जिसे ठीक नहीं किया जा सकता।

लंबे समय तक अलग रहना क्रूरता- एक रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि बिना साथ आने की किसी उम्मीद के लंबे समय से अलग रहना, दोनों पक्षों के लिए क्रूरता के बराबर है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस मनमोहन और जस्टिस जॉयमाला बागजी की बेंच ने पति की याचिका को स्वीकार करते हुए ट्रायल कोर्ट से पास तलाक के फैसले को बहाल कर दिया।

- **विवाह को कागज पर बचाने से फायदा नहीं-** इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा,इस अदालत का यह भी नजरिया है कि वैवाहिक मुकदमा को लंबे समय तक लंबित रखने से विवाह सिर्फ कागजों में ही बचा रहता है। यह पार्टियों और समाज के हित में है कि यदि मुकदमे बहुत लंबे समय से लंबित हैं, तो पक्षों के बीच संबंध समाप्त कर दिए जाएं। नतीजतन इस अदालत की राय है कि पार्टियों को राहत दिए बिना वैवाहिक मुकदमे को अदालत में लंबित रखने से कोई लाभ नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, इस केस में पति-पत्नी के वैवाहिक जीवन के प्रति दृष्टिकोण को लेकर विचार बहुत मजबूत हैं और लंबे समय से दोनों तालमेल बिठाने से इनकार कर रहे हैं। इसकी वजह से इनका बर्ताव एक-दूसरे के प्रति क्रूरता की तरह है। इस अदालत का मानना है कि दो व्यक्तियों से जुड़े वैवाहिक मामले में पति-पत्नियों के तरीके में कौन सही है और कौन गलत यह तय करना समाज या कोर्ट का काम नहीं है।

लोकसभा में 'वीबी-जी राम जी' बिल पेश

- प्रियंका बोलीं-सरकार को नाम बदलने की सनक

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में मंगलवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) बिल, 2025' पेश किया। इसके बाद सदन में हंगामा शुरू हो गया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि हम इस बिल का विरोध करते हैं। हर योजना का नाम बदलने की सनक समझ नहीं आती है। बिना चर्चा के बिना सलाह लिए विधेयक को पास न करें। इसे वापस लें। नया विधेयक पेश करें। उन्होंने कहा, महात्मा गांधी मेरे परिवार के नहीं, मेरे परिवार जैसे ही हैं। पूरे देश की यही भावना है। कम से कम स्थायी समिति के पास इस बिल को भेंजे। कोई विधेयक किसी की निजी महत्वकांक्षा, सनक और पूर्वाग्रहों के आधार पेश नहीं होना चाहिए। और ना ही पास होना चाहिए। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी वीबी- जी राम जी बिल का विरोध किया। उन्होंने कहा, महात्मा गांधी का नाम बदलना सही नहीं है।

शराबी ने खुद पर हमला किया

इंदौर। चंदन नगर थाना क्षेत्र में घरेलू हिंसा का मामला सामने आया है। महिला शहनाज की शिकायत पर पुलिस ने शराबी पति मोहम्मद इरशाद पर मारपीट और प्रताड़ना का केस दर्ज किया है। आरोप है आरोपी ने पहले खुद पर हमला कर हंगामा किया और बाद में पत्नी-बेटी से बेरहमी से मारपीट की। पुलिस के मुताबिक पीड़िता सिलाई का काम करती है। रविवार को आरोपी शराब के नशे में घर पहुंचा और बेटी को अपशब्द कहने लगा। जब मैंने उसे रोका तो मारपीट करने लगा। इसके बाद मुझे डराने के लिए खुद पर ब्लेड से हमला कर लिया। घायल अवस्था में पत्नी उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंची, जहां से उसे एमवाय अस्पताल रेफर कर दिया। इधर, आरोपी ने एमवाय अस्पताल में स्टाफ से विवाद किया और बिना इलाज कराए देर शाम फिर घर पहुंचा और पत्नी और बेटी के साथ जमकर मारपीट की। घटना से परेशान होकर पीड़िता थाने पहुंची और पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

स्कूटी से ढोई जा रही शराब पकड़ी

इंदौर। जिले में अवैध शराब कारोबार पर नकेल कसते हुए आबकारी विभाग ने एक और बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर 15 दिसंबर को आबकारी अमले ने लालाराम नगर क्षेत्र में अवैध मदिरा परिवहन का पदार्फाश किया। कंट्रोल रूम प्रभारी देवेश चतुर्वेदी, डिप्टी कंट्रोलर मनोज कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में उपनिरीक्षक आशीष जैन की टीम ने वाहन क्रमांक एमपी-09-जेडएक्स - 2321 को रोका। तलाशी के दौरान वाहन से 75 पाव देशी मदिरा मसाला बरामद की गई। इस मामले में आरोपी अजय पिता मोहनलाल लिखारिया निवासी भागीरथपुरा को मौके से गिरफ्तार कर धारा 34(1)(क) के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया। जब्त की गई शराब और वाहन की कीमत 87,950 रुपए है। आबकारी विभाग द्वारा आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहने की बात कही गई है।

महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

इंदौर। अज्ञात कारणों के चलते पति बच्चों के साथ सो रही महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब पति उठा तो महिला फंदे पर लटकी मिली। राजेन्द्र नगर पुलिस के अनुसार, घटना बिजलपुर क्षेत्र स्थित एबीसीडी बिल्डिंग का है। यहां रहने वाली लक्ष्मी ने आत्महत्या कर ली। मृतका के पति बृजमोहन ने बताया कि सोमवार सुबह 5 बजे जब उसकी नींद खुली तो लक्ष्मी फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी। घटना के समय दोनों बच्चे भी कमरे में ही सो रहे थे। वह वाहन चालक है और सोमवार को उसे काम पर जाना था। दंपति रविवार को अपने पैतृक गांव राजगढ़-ब्यावरा गए थे, जहां दादी के निधन के बाद गमी कार्यक्रम में शामिल हुए थे। रात में दोनों बच्चों के साथ वापस इंदौर लौटे थे। पुलिस का कहना है कि फिलहाल आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो पाया। यह भी साफ नहीं है कि दंपति के बीच किसी प्रकार का विवाद था या फिर कोई अन्य वजह रही। मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। मृतक के परिवार में एक बेटा और एक बेटी हैं।

देर रात ऑफिस में आग लगी

इंदौर। जंजीरवाला चौराहे के पास डायमंड कॉलोनी में स्थित चार मंजिला व्यावसायिक इमारत में देर रात अचानक आग लग गई। आग तीसरी मंजिल पर बने ऑफिस में लगी, जिससे वहां रखा सारा सामान जलकर नष्ट हो गया। घटना की सूचना मिलते ही गांधी हॉल फायर स्टेशन से दमकल की टीम मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड के एएसआई सुशील दुबे के नेतृत्व में टीम ने एक घंटे की मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। आग के कारण पूरे भवन में धुआं फैल गया था, जिससे अफरा-तफरी का माहौल बन गया। चौकीदार की सतर्कता से समय रहते दमकल विभाग को सूचना दी जा सकी। इस आगजनी में कंप्यूटर सिस्टम, फर्नीचर और महत्वपूर्ण कागजात जल गए। फायर ब्रिगेड ने करीब 10 हजार लीटर पानी का इस्तेमाल कर आग बुझाई। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। प्राथमिक रूप से आग लगने का कारण बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

सहायक पशु चिकित्सा अधिकारी निलंबित

इंदौर। जिले में प्रशासनिक अनुशासन को लेकर कलेक्टर शिवम वर्मा ने सख्त रुख अपनाते हुए पशु औषधालय सेंडल, जिला इंदौर में पदस्थ सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी मधु रावत को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय कार्यालय संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, इंदौर संभाग निर्धारित किया गया है। जानकारी के अनुसार रावत द्वारा शासकीय दायित्वों के निर्वहन में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। जांच में सामने आया कि उन्होंने अनुचित तरीके से ऑनलाइन उपस्थिति (सार्थक एप) दर्ज की, वहीं भारत पशुधन एप पर कृत्रिम गर्भाधान से संबंधित कार्य एवं प्रविष्टियां शून्य पाई गईं। इसके अलावा शासकीय कार्यों के प्रति घोर लापरवाही, उदासीनता एवं नियमों की अवहेलना भी उजागर हुई। इन गंभीर आरोपों को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर शिवम वर्मा ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9 के अंतर्गत निलंबन की कार्रवाई की। आदेश के अनुसार निलंबन अवधि में रावत को नियम के अनुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

पति को छोड़कर भागी महिला का प्रेमी बेवफा निकला, वापस भगाया

पैसे और जेवर लेकर खर्च किए, ट्रेन में बैठाकर रवाना किया

इंदौर। पति को छोड़कर प्रेमी के साथ गई महिला ट्रेन से वापस घर लौट आई और प्रेमी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। जिस प्रेमी के साथ वह पति का घर छोड़कर गई थी, वह बेवफा निकला। प्रेमी ने दो लाख रुपए, जेवर हड़पकर शोषण किया और बाद में उसे भगा दिया। इस दौरान महिला को दो-तीन बार सिगरेट से भी दागा। मामला चंदन नगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर प्रेमी के खिलाफ बलात्कार सहित गंभीर धाराओं में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने बताया कि आरोपी पहले पीड़िता के घर के पास ही रहता था और उसके पति का दोस्त था। इसी कारण दोनों की पहचान हुई थी। आरोपी ने एक-दो बार पीड़िता से कहा था कि वह उसे पसंद करता है और उससे बात करना चाहता है, लेकिन पीड़िता ने इसका विरोध किया। फरवरी में आरोपी ने पीड़िता को अपने कमरे पर बुलाया और शादी की बात करते हुए जबरदस्ती की। इसके बाद जब भी पीड़िता का पति काम पर जाता, आरोपी घर आकर उसके साथ कई बार संबंध बनाता रहा। आरोपी की बातों में आकर पीड़िता 26 अप्रैल को घर से भाग गई, इस दौरान वह घर से दो लाख रुपए नकद और कुछ जेवर भी ले गई।

पीथमपुर और राजस्थान ले गया- इसके बाद आरोपी उसे पहले पीथमपुर ले गया, जहां किराए पर कमरा लिया। कुछ समय बाद वह उसे सांवरिया सेठ (राजस्थान) और फिर सीहोर ले जाकर रखने लगा। इस दौरान आरोपी ने कई बार उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसके सारे जेवर व नकदी खर्च कर दिए। जब पीड़िता ने आरोपी से अपने बच्चों के पास जाने की बात कही तो उसने कहा कि यदि शादी करनी है तो अकेले रहना पड़ेगा। इसके बाद आरोपी का व्यवहार बदल गया और वह मारपीट करने लगा। उसने एक-दो बार पीड़िता को सिगरेट से दागा और धमकी दी कि यदि वह घर जाने की जिद करेगी तो उसे जान से मार देगा। एक सप्ताह से पैसे खत्म होने पर आरोपी पीड़िता से घर से रुपए लाने की जिद करने लगा। मना करने पर उसने फिर से मारपीट की। रविवार को आरोपी ने उसे सीहोर से इंदौर के लिए ट्रेन में बैठा दिया।

कृष्णबाग से चार बच्चों सहित लापता महिला का शव नर्मदा नदी में मिला

महिला के साथ एक बच्चा अभी लापता, दो बच्चे लावारिस मिले

इंदौर। नर्मदा नदी में मंगलवार सुबह मोरटक्का के पास कटार गांव के घाट पर पत्थरों के बीच एक महिला का शव दिखाई दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव की शिनाख्त कृष्णबाग कॉलोनी से लापता हुई 35 वर्षीय प्रियंका चौरसिया के रूप में की गई।

बताया गया कि सोमवार को नर्मदा का जलस्तर अधिक होने के कारण घाट के आसपास कुछ स्पष्ट नहीं दिख रहा था। रात में ओंकारेश्वर डैम से पानी रोके जाने के बाद मंगलवार सुबह जलस्तर कम हुआ, तब ग्रामीणों को घाट पर पत्थरों के बीच फंसा शव दिखाई दिया। ग्रामीणों ने मोरटक्का चौकी प्रभारी को सूचना दी। कृष्णबाग क्षेत्र निवासी सब्जी विक्रेता सुंदरलाल चौरसिया की पत्नी प्रियंका 11 दिसंबर को अपने चार बच्चों 6 वर्षीय आर्यन, 5 वर्षीय प्रियांश, ढाई वर्षीय हिमांशी और 6 माह के चीकू के साथ घर से लापता हो गई थी।

आर्यन और हिमांशी मोरटक्का क्षेत्र में सकुशल मिल गए थे, जबकि सोमवार को 6 माह के चीकू का शव नर्मदा में मिला था। इसके बाद से प्रियंका और प्रियांश की तलाश जारी थी। मंगलवार रात अंधेरा और बढ़ा हुआ जलस्तर होने के कारण सर्च ऑपरेशन रोक दिया गया था। अब प्रियंका का शव मिलने से आशंका सच में बदल गई है। हालांकि, 5 वर्षीय प्रियांश अब भी लापता है, जिसकी तलाश के लिए गोताखोरों की मदद से नर्मदा में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा। मामले को लेकर अब भी रहस्य बना हुआ है। पुलिस यह जांच कर रही है कि यह आत्महत्या का मामला है या फिर किसी साजिश के तहत महिला और बच्चों को मोरटक्का पुल से नदी में धकेला गया। प्रियंका के शव की बरामदगी के बाद सवाल और गहरे हो गए हैं। पुलिस का कहना है कि प्रियांश के मिलने के बाद ही पूरे घटनाक्रम से पर्दा उठ पाएगा। महिला के साथ गए चार में से दो बच्चों को पुलिस ने ढूंढ लिया था, जबकि एक बच्चे का शव सबसे पहले नदी में मिला। पुलिस ने गूगल मैप की मदद से दो बच्चों को सुरक्षित उनके पिता तक पहुंचाया। मोरटक्का पुलिस चौकी के अनुसार महिला 11 दिसंबर से खजराना थाना क्षेत्र के कृष्णबाग कालोनी में रहने वाली प्रियंका पति सुंदर दास चौरसिया (35) तीन दिन पहले बिना बताए कहीं चली गई थी। महिला मजदूरी करती थी। लापता होने के बाद परिजनों ने उसे काफी ढूंढा, जब उसका कोई पता नहीं चला तो गुमशुदगी दर्ज कराई। रविवार को महिला अपने चार बच्चों के साथ मोरटक्का स्थित होटल में भोजन करते हुए दिखाई दी थी। इसके बाद वह नर्मदा पुल के आसपास नजर आई। कुछ समय बाद दो छोटे बच्चे पुल के पास लावारिस हालत में मिले, जिनकी सूचना मिलने पर मोरटक्का पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें चौकी ले आई। डेढ़ साल की बच्ची और छह वर्षीय बालक की उम्र कम होने के कारण परिजनों तक पहुंचना पुलिस के लिए चुनौती बन गया।

इस दौरान कांस्टेबल चेतनसिंह चौहान ने बच्चे से बातचीत कर उसके पुराने स्कूल का नाम जाना। स्कूल को गूगल पर सर्च कर फोटो दिखाया गया, जिसे बच्चे ने पहचान लिया। इसके बाद गूगल मैप के जरिए आसपास की गलियों, दुकानों और दवाखानों की तस्वीरें दिखाकर बच्चे से पुष्टि कराई गई। खजराना क्षेत्र के दवाखाने के बोर्ड पर लिखे डॉक्टर के मोबाइल नंबर से संपर्क किया गया, जिन्होंने बच्चों के पिता से पुलिस की बात करवाई। इसके बाद बच्चों के पिता मोरटक्का पहुंचे और दोनों बच्चों की सुपुर्दगी ली।

महिला मानसिक रूप से बीमार

बच्चों के पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी पत्नी मानसिक रूप से बीमार थी और बिना बताए बच्चों को लेकर घर से निकल गई थी। महिला का शव मिलने के बाद एक बच्चा अब भी लापता है। सोमवार को मोरटक्का क्षेत्र में नर्मदा नदी से एक बच्चे का शव बरामद हुआ था। प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि महिला दो बच्चों के साथ नदी में कूदी होगी। पुलिस लापता बच्चे की तलाश में सर्च अभियान चला रही है। मोरटक्का चौकी प्रभारी लखन डावर का कहना है कि मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। महिला की पहचान कर उसके परिजनों को सूचना दे दी गई है। उधर, मोरटक्का पुलिस ने जीरो पर मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई के लिए खजराना पुलिस को केस फारवर्ड कर दिया है।

सराफा चौपाटी के दुकानदारों का भविष्य तय नहीं, अंतिम लिस्ट का फैसला बाकी

हटाई दुकानों में से कितनों को फिर अनुमति मिलेगी किसी को पता नहीं

इंदौर। शहर के जेवरात के सराफा व्यापारी लंबे समय से यहां बढ़ती चाट और खानपान कीअन्य दुकानों की संख्या, हो-हल्ले, दुर्व्यवहार, नियमों का पालन न करने और सराफा दुकानें बंद होने से पहले अपनी दुकान लगाने जैसी शिकायतें कर रहे थे। इसके बाद 150 में से सिर्फ 69 दुकानों को अनुमति देकर बाकी दुकानें हटा दी गई। इस वजह से पिछले कुछ महीनों से सराफा की चाट चौपाटी विवादों का केंद्र बन गई है। इससे करीब 80 दुकानदारों की रोजी रोटी पर संकट आ गया जब नगर निगम ने 69 दुकानों की एक लिस्ट जारी की। इसमें कहा गया कि अब चौपाटी पर केवल यही दुकान लग सकेगी जिनका नाम इस लिस्ट में है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने पहले घोषणा की थी कि चौपाटी का पुराना और परंपरागत रूप कायम रखा जाएगा और केवल पुरातन दुकानों को ही रखा जाएगा। क्योंकि, नगर निगम का उद्देश्य चौपाटी को उसकी धरोहर के रूप में संरक्षित करना है।

पुरानी दुकान पर भी खतरा

सराफा रात्रि चौपाटी संगठन के अध्यक्ष राम गुप्ता ने बताया की 15 से 75 सालों से जो पारंपरिक रूप से दुकान लग रही है, ऐसी दुकानों का इस सूची में नाम शामिल किया

गया है। इस सूची को बनाने में 11 लोगों का चौपाटी का पैनल, सर्राफा व्यापारी संगठन, महापौर और नगर निगम शामिल है किसी एक की मर्जी से सूची को नहीं बनाया गया। फिलहाल यह सूची भी स्थाई नहीं है। अभी इन चीजों पर विचार विमर्श होना बाकी है हमारे सभी साथियों को भी थोड़ा धीरे रखने की जरूरत है। जिन दुकानदारों की दुकानें हटाई गई हैं उनका आरोप है कि उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना या सुनवाई के हटाया जा रहा है कई दुकानदारों का कहना था कि वे पिछले 15 से 20 वर्षों से यहां दुकानें लगा रहे हैं और उनका नाम सूची से हटा दिया गया है। जबकि, कुछ नए या विवादित नाम शामिल हैं। दुकानदारों का यह भी कहना है कि इसके लिए उनकी राय नहीं ली गई और मनमाने ढंग से यह लिस्ट तैयार की गई।

इस मामले पर नगर निगम का पक्ष बताया गया कि निगम का उद्देश्य चौपाटी के स्वरूप को व्यवस्थित, सुरक्षित और अनुशासित करना है। फिलहाल जो सूची में नाम शामिल किए गए हैं, उनको दुकान लगाने की अनुमति दी गई है। बाकी जिन लोगों की शिकायत है जिनका लिस्ट में नाम नहीं है, उनसे लिखित जानकारी मांगी गई है। आगे महापौर, विधायक, और व्यापारी एसोसिएशन के लोग जो भी मिलकर निर्णय लेंगे उसके उसी अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

इंस्टाग्राम की रील से नकली नोट छापने वाला एक और गिरफ्तार

इस गिरोह के चार आरोपियों को पहले ही पकड़ा गया

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने नकली नोटों के नेटवर्क पर एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 500-500 रुपये के कुल 45 नकली नोट और नोट प्रिंटिंग में इस्तेमाल किया जाने वाला प्रिंटर जब्त किया है। जब्त नकली नोटों की कुल कीमत करीब 22 हजार 500 रुपये आंकी गई है। क्राइम ब्रांच के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की पहचान अंकित बुरासी, निवासी बाणगंगा के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी इंस्टाग्राम पर नकली नोट बनाने से संबंधित रील देखकर प्रभावित हुआ और कम समय में ज्यादा पैसा कमाने के लालच में इस अवैध धंधे से जुड़ गया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी एक आपराधिक मामला दर्ज है। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले इसी मामले में क्राइम ब्रांच चार अन्य आरोपियों को नकली नोटों के साथ गिरफ्तार कर चुकी है। उनसे की गई पूछताछ में फरार चल रहे पांचवें आरोपी अंकित बुरासी का नाम सामने आया था। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर तंत्र की मदद से उसकी लोकेशन ट्रेस कर गिरफ्तारी की। डीसीपी राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि नकली नोटों के इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की तलाश जारी है और पूरे नेटवर्क की कड़ियां जोड़ी जा रही हैं। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर दिखने वाले अवैध और भ्रामक प्रलोभनों से सावधान रहें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

खजराना गणेश मंदिर की दानपेटी खुली, 1.67 करोड़ रू की गिनती

दान पेटी से सोना-चांदी व विदेशी मुद्रा भी दान में निकली

इंदौर। विश्व प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर में इन दिनों दान पेटियों को खोलकर दान राशि की गिनती का कार्य जारी है। 7 दिसंबर से शुरू हुई इस प्रक्रिया में अब तक श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित 1 करोड़ 67 लाख रुपए की राशि प्राप्त हो चुकी है। जबकि, अभी दो अन्य दान पेटियों की गिनती शेष है। मंदिर परिसर में यह कार्य कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासनिक निगरानी में किया जा रहा है। मंदिर के पुजारी पंडित धर्मेन्द्र भट्ट ने बताया कि खजराना गणेश मंदिर में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं और अपनी श्रद्धा व

क्षमता के अनुसार दान अर्पित करते हैं। परंपरा के अनुसार वर्ष में तीन बार दान पेटियां खोली जाती हैं। इस बार करीब तीन माह बाद दान पेटियां खोली गई हैं, जिनकी गिनती लगातार की जा रही है।

नकद राशि के अलावा दान पेटियों से सोने-चांदी के आभूषण, विदेशी करेंसी और कई श्रद्धालुओं के पत्र भी प्राप्त हुए हैं। मंदिर समिति के अनुसार अब तक प्राप्त दान राशि को बैंक में जमा करा दिया गया है।

बस से मूसाखेड़ी से अहमदाबाद ले जायी जा रही 90 पेटी शराब जब्त

बस के ड्राइवर, क्लीनर, ट्रेवल्स मालिक को गिरफ्तार किया

इंदौर। शहर में आबकारी विभाग और थाने की पुलिस लगातार अवैध शराब खरीद फरोख्त पर रोक लगाने में लगा है। इसी क्रम में विजयनगर पुलिस ने लाखों की अंग्रेजी शराब के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। थाने के उपनिरीक्षक अजय सिंह कुशवाह ने बताया कि सूचना मिली थी कि बस (एमपी 09 एक्यू 1300) जिस पर सलूजा लिखा हुआ है में अवैध सामग्री परिवहन की जा रही है। यह बस बंगाली चौराहा से रेडिसन चौराहा की तरफ आ रही है। सूचना पर टीआई के नेतृत्व में तत्काल टीम गठित की गई। टीम ने घेराबंदी कर बस को रेडिसन चौराहा पर रोका। तलाशी लेने पर बस की डिक्की में अंग्रेजी में 'जिवा 18 इन्सेक्टीसाइड' का लेवल लगे हुए कई बॉक्स भरे हुए थे। बॉक्स खोलकर देखा तो अंग्रेजी शराब की बोतल मिली। इस पर बस के ड्रायवर एवं कंडक्टर से शराब का परिवहन करने के सबंध में वैध लाइसेंस-परमिट का पूछा तो उन्होंने किसी प्रकार का परमिट नहीं होना बताया।

कार्टून खोलने पर उसमें से 90 पेटी अंग्रेजी शराब (कुल 777.6 लीटर) कीमत लगभग 7,50,000 रुपए बस को जब्त कर दोनो आरोपियों के विरुद्ध आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। मामले में पुलिस ने बस चालक आशीम खान निवासी डाबरी नौगांव रोड़ धार, मेवाती पुरा जिला धार, कंडक्टर सलमान खान निवासी खातेगांव कन्नौद रोड़ जिला देवास को पकड़ा।

रिमांड लेकर पूछताछ होगी - दोनों आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उक्त शराब मूसाखेड़ी में रहने वाले विशाल नामक युवक ने लोड कराई थी। विशाल का मूसाखेड़ी में ट्रेवल्स का आफिस है। यह शराब मूसाखेड़ी से अहमदाबाद ले जाई जा रही थी। पुलिस आज मंगलवार को दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पूछताछ करेगी कि उक्त शराब अहमदाबाद में किसी डिलीवर की जाना थी।

इंदौर में स्ट्रीट फूड वेंडर्स की ट्रेनिंग होगी, सर्टिफिकेशन व निगरानी पर ध्यान देंगे

जिला सलाहकार समिति की बैठक में मिलावटखोरों पर सख्ती के निर्देश

इंदौर। सोमवार को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत गठित जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक हुई। बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता, उचित मानक और पूर्ण रूप से शुद्ध खाद्य सामग्री प्राप्त हो। खाद्य सामग्री में मिलावट करने वालों पर सख्ती हो और स्ट्रीट फूड वेंडर्स पर ध्यान दिया जाए। यह कार्रवाई लगातार अभियान चलाकर की जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि मिलावटखोरों पर अब तक दर्ज मामलों के साथ आगे भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बताया गया कि जिले में स्थित खाद्य प्रतिष्ठानों का सतत निरीक्षण एवं नमूना कार्यवाही की जा रही है। एफएसएसएआई द्वारा प्रदत्त आरबीआईएस निरीक्षण के अनुसार हाई रिस्क प्रतिष्ठानों का प्राथमिकता से निरीक्षण किया जा रहा है। गत एक जुलाई से अभी तक 576 निरीक्षण किए तथा 1392 नमूनों को जांच के लिए लिया गया। दूध एवं दुग्ध उत्पाद के कुल 236 नमूने लिए गए। बताया गया कि संबंधित आरोपियों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किए गए हैं। नमूनों के विश्लेषण की प्रक्रिया जारी है। दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई होगी। बैठक में अपर कलेक्टर रोशन राय, जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनीष स्वामी सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

गुणवत्ता पर ध्यान दिया जाए

कलेक्टर ने कहा कि इंदौर भोजन और स्ट्रीट फूड संस्कृति के लिए प्रसिद्ध शहर है। इसलिए जरूरी आवश्यक है कि उपभोक्ताओं को उचित मानक और उच्च गुणवत्ता वाला खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराया जाए। इसी उद्देश्य से जिले में कार्रवाई के साथ-साथ अवेयरनेस गतिविधियों पर भी विशेष जोर दिया जाएगा। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि फूड सेफ्टी के मानकों की जानकारी सभी स्ट्रीट फूड वेंडर्स तक पहुंचाई जाए। शहर के हर स्ट्रीट वेंडर को उचित गुणवत्ता बनाए रखने के लिए ट्रेनिंग, जागरूकता कार्यक्रमों और सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा।

उपभोक्ताओं की सुरक्षा सर्वोपरि

बैठक में यह भी बताया गया कि मिलावट के मामलों में कई स्थानों पर एफआईआर दर्ज की गई है और भविष्य में भी निरंतर निगरानी तथा कड़ी कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। कलेक्टर ने कहा कि जिले की अगली कार्ययोजना में स्ट्रीट वेंडर्स की क्षमता वृद्धि और उपभोक्ताओं की सुरक्षा सर्वोपरि रहेगी। बैठक में बताया गया कि ईट राइट चैलेंज-4 डैशबोर्ड की वर्तमान स्थिति के अनुसार इंदौर पूरे देश मे प्रथम स्थान पर है। इसके पूर्व भी ईट राइट चैलेंज-1 एवं ईट राइट चैलेंज-3 में भी इंदौर पूरे देश में प्रथम स्थान पर रहा है।

गुणवत्ता की शिकायत आसान

उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए खाद्य सामग्री की गुणवत्ता एवं मानकों से संबंधित शिकायतों के लिए दो टोल फ्री नंबर जारी किए गए हैं। अब कोई भी उपभोक्ता अपनी शिकायत सीधे इन नंबरों पर दर्ज करा सकते हैं । यह सुविधा कलेक्टर के निर्देश पर प्रारंभ की गई है। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनीष स्वामी ने बताया कि शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 0731-181 तथा 0755-2840621 है। इन नंबरों पर कॉल कर उपभोक्ता खाद्य पदार्थों में मिलावट, गुणवत्ता में कमी, निर्धारित मानकों के उल्लंघन या किसी भी तरह की अनियमितता की जानकारी अधिकारियों तक पहुंचा सकते हैं।

संपादकीय

नबीन के सामने बड़ी चुनौतियां

भारतीय जनता पार्टी ने बिहार के अल्पज्ञात युवा नेता नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर एक बार फिर चौंकाया है। बताया जाता है कि 45 वर्षीय नबीन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पसंद हैं और इसे संघ ने भी मंजूरी दी है। नितिन नबीन का परिवार परंपरागत रूप से भाजपाई है और उन्हें संगठन और सत्ता दोनों में काम करने का अनुभव है। दो साल पहले छत्तीसगढ़ विस चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत से सत्ता में लौटाने के रणनीतिकार नितिन नबीन ही थे। नबीन की नियुक्ति यूं तो भाजपा में तीसरी पीढ़ी को आगे लाने की नीति के तहत उठाया गया एक बड़ा और दूरगामी कदम है। लेकिन इसी के साथ आलाकमान ने पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के ख्वाहिशमंद उन तमाम नेताओं को भी किनारे लगा दिया है, जिनके नाम लगातार मीडिया में चर्चा में रहे हैं। नितिन नबीन फिलहाल बिहार में नीतीश कुमार मंत्रिमंडल में पीडब्लूडी मिनिस्टर हैं। लेकिन इस बड़े दायित्व के बाद उन्हें मंत्री पद छोड़ना होगा। क्योंकि अब उनकी जिम्मेदारियां पूरे देश की हैं और दिल्ली ही उनका मुख्यालय होगा। कहा यह भी जा रहा है कि भाजपा उन्हें राज्यसभा में ला सकती है। नितिन नबीन की नियुक्ति से भाजपा ने कई समीकरण साधने की कोशिश की है। पहला तो अगड़ी जातियों को साधना। नबीन कायस्थ समुदाय से हैं और यह जाति अब मोटे तौर पर भाजपा समर्थक है तथा जिसकी शिकायत यही है कि संगठन में ऊंचे पदों पर उनकी संख्या बहुत कम है। दूसरे नबीन उस बिहार से जो देश के पूर्वी हिस्से में आता है और राष्ट्रीय राजनीति में उसकी भूमिका सीमित ही रही है। तीसरे, नबीन युवा है और उन्हें कम से कम 25 साल राजनीति करनी है। माना जा रहा है कि कम उम्र होने से युवा कार्यकर्ताओं से उनका कनेक्ट अच्छा रहेगा। अब यह नबीन पर निर्भर है कि वो पार्टी कार्यकर्ताओं को अपने से कैसे जोड़ते हैं और साथ ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ कैसा संतुलन बना पाते हैं। हालांकि भाजपा में कांग्रेस की तरह अनुशासनहीनता सहन नहीं की जाती। जो निर्णय एक बार हो चुका, उसे सभी को मानना पड़ता है। लेकिन नितिन नबीन के सामने खुद सिद्ध करने की पहली चुनौती तो अगले साल देश के पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव हैं। जिनमें से दो में भाजपा सत्ता में है और दो में सत्ता पाने की आस पाले हुए हैं। मसलन असम और पुदुच्चेरी में 2026 के मार्च/अप्रैल में चुनाव होना है। असम पुदुच्चेरी में भाजपा सत्ता में है और सत्ता में फिर से वापसी उसका लक्ष्य है। नबीन के नेतृत्व में यह कैसे संभव होगा, इस पर पूरे देश की निगाहें रहेंगी। लेकिन नबीन के सामने इससे भी बड़ी चुनौती पश्चिम बंगाल में भाजपा को सत्ता में लाना है। वहां मुकाबला 'तुम डाल डाल तो हम पात पात' वाली ममता बैनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस से है और राज्य में भाजपा का संगठन अपेक्षित रूप से मजबूत नहीं है। ममता को हराना भाजपा और संघ की तीव्र इच्छा है। लेकिन यह तभी संभव है, जब ममता विरोधी वोटजुट हो और राज्य में बड़े पैमाने पर ऊर्ध्व साम्प्रदायिक विभाजन हो, मुस्लिम वोट बड़े पैमाने पर विभाजित हो और हिंदू वोट भाजपा के पक्ष में एकजुट हो। यह असंभव नहीं तो बहुत कठिन जरूर है, क्योंकि बंगाल की जनसांख्यिकी ही ऐसी है। लेकिन नबीन बंगाल में भाजपा को सत्ता दिलाने में कामयाब रहे तो उनका राजनीतिक कद बहुत ज्यादा बढ़ जाएगा। वैसे सवाल तो यह भी पूछा जा रहा है कि नबीन की नियुक्ति भाजपा में किसकी जीत है, लेकिन यह इसलिए बेमानी है, क्योंकि भाजपा में निर्णय कोई एक व्यक्ति नहीं करता।

पुतिन की यात्रा और रिश्तों की नई दिशा

23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन की थीम स्वयं इस पुराने साझेदारी के नए स्वरूप की ओर इशारा करती है जहाँ रक्षा और राजनीति के साथ-साथ आर्थिक सहयोग को और अधिक प्राथमिकता दी जा रही है। पुतिन की 27 घंटे की यात्रा की असली अहमियत केवल हस्ताक्षरित समझौतों में नहीं, बल्कि उस रणनीतिक संदेश में है जो यह देती है: भारत-रूस साझेदारी अपनी गति स्वयं तय करती है और बाहरी दबावों से आसानी से विचलित नहीं होती। शिखर बैठक में दोनों नेताओं ने साझेदारी के लगभग सभी क्षेत्रों जैसे राजनीतिक संबंधों, रक्षा सहयोग, व्यापार एवं निवेश, ऊर्जा, संपर्क साधन, अंतरिक्ष, संस्कृति और शिक्षा पर व्यापक चर्चा की। वार्ता से यह साफ झलक रहा था कि दोनों देश सहयोग को एक नई दिशा और गति देना चाहते हैं।

नजरिया

अंशुमान

लेखक संसद टीवी से संबद्ध हैं।

करीब चार वर्षों के अंतराल के बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नई दिल्ली यात्रा को भारत-रूस संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। चार साल बाद जब व्लादिमीर पुतिन दिल्ली उतरे और प्रधानमंत्री मोदी खुद हवाईअड्डे पर उन्हें लेने पहुँचे, तो यह सिर्फ एक तस्वीर नहीं थी यह उस रिश्ते की झलक थी जो दशकों से भरोसे पर खड़ा है और आज की उथल-पुथल वाली दुनिया में और भी महत्वपूर्ण हो गया है। यह प्रतीकात्मकता विशेष रूप से उस समय और भी महत्वपूर्ण हो जाती है जब वॉशिंगटन की कड़ी नीतियाँ भारत-रूस संबंधों के विस्तार को सीमित करने की कोशिश करती दिखती हैं।

23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन की थीम स्वयं इस पुराने साझेदारी के नए स्वरूप की ओर इशारा करती है जहाँ रक्षा और राजनीति के साथ-साथ आर्थिक सहयोग को और अधिक प्राथमिकता दी जा रही है। पुतिन की 27 घंटे की यात्रा की असली अहमियत केवल हस्ताक्षरित समझौतों में नहीं, बल्कि उस रणनीतिक संदेश में है जो यह देती है: भारत-रूस साझेदारी अपनी गति स्वयं तय करती है और बाहरी दबावों से आसानी से विचलित नहीं होती।

शिखर बैठक में दोनों नेताओं ने साझेदारी के लगभग सभी क्षेत्रों जैसे राजनीतिक संबंधों, रक्षा सहयोग, व्यापार एवं निवेश, ऊर्जा, संपर्क साधन, अंतरिक्ष, संस्कृति और शिक्षा पर व्यापक चर्चा की। वार्ता से यह साफ झलक रहा था कि दोनों देश सहयोग को एक नई दिशा और गति देना चाहते हैं।

अगर वैश्विक तस्वीर पर नज़र डालें तो यह बिल्कुल साफ दिखता है कि पिछले कुछ वर्षों में पश्चिमी कंपनियों के रूस से हटने से वहाँ एक बड़ा आर्थिक खालीपन पैदा हुआ। और दिलचस्प बात यह है कि यही खालीपन भारत के लिए अवसर बनकर सामने आया है। रूस अब ऐसे भरोसेमंद साझेदारों की तलाश में है जो उसकी अर्थव्यवस्था के नए दौर में साथ दे सकें और भारत स्वाभाविक रूप से इस सूची में सबसे ऊपर है। इसी कारण दोनों देशों ने इंडिया-रूस इकोनॉमिक कोऑपरेशन 2030 का खाका अपनाया है, जो अगले कई वर्षों के लिए आपसी आर्थिक सहयोग की दिशा तय करेगा। यह सिर्फ एक दस्तावेज़ नहीं, बल्कि एक रोडमैप है कि भारत और रूस किन-किन क्षेत्रों में मिलकर आगे बढ़ सकते हैं।

हालांकि अभी व्यापार का संतुलन रूस के पक्ष में झुका हुआ है और इसकी बड़ी वजह ऊर्जा आयात है। लेकिन इस बार रूसी प्रतिनिधिमंडल ने पहली बार इतने स्पष्ट रूप से भारतीय निर्यात की संभावनाओं पर भरोसा जताया। चाहे उपभोक्ता सामान हों, दवाइयाँ, कृषि उत्पाद, खाद्य सामग्री या दूरसंचार उपकरण रूस मानता है कि भारतीय उत्पाद उसके बाजार में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

यह बात मेक इन इंडिया की वैश्विक छवि के लिए भी ताकतवर संकेत है।रूस में तेज़ी से बढ़ती कुशल श्रमिकों की मांग को देखते हुए दोनों देशों ने लेबर मोबिलिटी एग्रीमेंट पर भी हस्ताक्षर किए। साथ ही भुगतान प्रणालियों को सरल बनाना, लॉजिस्टिक्स में सुधार करना, और शुल्क एवं गैर-शुल्क बाधाओं को हटाना–ये सभी मुद्दे प्रमुख रहे। दोनों देशों ने 2030 तक 100 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इन बाधाओं को प्राथमिकता से सुलझाने पर सहमति जताई है। साथ ही भारत ने यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन के साथ एफटीए को जल्द निष्कर्ष तक पहुँचाने में भी गहरी रुचि दिखाई।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा लक्ष्यों को देखते हुए ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग उच्च प्राथमिकता बनकर उभरा। तेल एवं गैस क्षेत्रों के अतिरिक्त, दोनों देशों ने नई परियोजनाओं जैसे रिफाइनिंग, पेट्रोकेमिकल तकनीक, ऑयलफील्ड सर्विसेज़ और परमाणु ऊर्जा में भारतीय निवेश की संभावनाओं पर विचार किया। विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष अनुसंधान में भी सहयोग को नए आयाम देने पर चर्चा हुई।

शिखर बैठक से पहले ही भारत ने साफ इशारा कर दिया था कि वह S-400 की अतिरिक्त बैटरियों की खरीद और उन्नत S-500 प्रणाली के संयुक्त उत्पादन उसकी रूचि है भले ही ये सौदे शिखर सम्मेलन में अंतिम रूप नहीं ले पाए, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि रूस की तकनीक साझा करने और सह-उत्पादन की नीति अब भी पहले जैसी है। इसी कड़ी में रूस ने Su-57 जैसे उन्नत लड़ाकू विमान भारत के लिए उपलब्ध कराने और संभावित संयुक्त निर्माण का संकेत भी दिया। यह दिखाता है कि चीन के साथ रूस के बढ़ते रिश्तों के बावजूद, भारत के लिए उसकी रणनीतिक प्राथमिकता अभी भी बरकरार है।

वास्तविकता में भारत के लिए यह बेहद अहम है क्योंकि ऐसे साझेदार ही उसे अपने रक्षा आधुनिकीकरण के लक्ष्य तक पहुँचने में मदद कर सकते हैं और सुनिश्चित कर सकते हैं कि भविष्य में उसकी सुरक्षा विकल्पों की कमी न हो। आर्कटिक और रूसी फ़ार ईस्ट जैसे क्षेत्रों में सहयोग भारत-रूस साझेदारी के अपने बेहतरीन आयाम हैं। इन क्षेत्रों में विशाल खनिज संसाधन, रेयर अर्थ्स और हाइड्रोकार्बन मौजूद हैं और इन चीजों में भारत गहरी रुचि रखता है और जियोपालिटिक्स में रूस भी भारत को आर्कटिक मामलों में एक प्रमुख उभरते भागीदार के रूप में देखता है।

चार साल बाद भारत आये पुतिन की यात्रा से साफ दिखता है कि भारत और रूस के हित पहले से कहीं ज्यादा एक-दूसरे के करीब आए हैं। भारत के लिए यह एक सीधा संकेत है कि तमाम वैश्विक उतार-चढ़ाव के बीच रूस अब भी वही भरोसेमंद, स्थिर और लंबी दौड़ का साझेदार है जिस पर वह दशकों से निर्भर रहा है। वैश्विक रणनीति के तौर पर रूस के लिए भी यह यात्रा बेहद अहम है क्योंकि यूक्रेन संघर्ष ने उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने की कोशिश जरूर की है, लेकिन भारत जैसा बड़ा, प्रभावशाली और गैर-पश्चिमी देश उसके साथ खड़ा रहे यह मॉस्को के लिए सिर्फ कूटनीतिक राहत नहीं, बल्कि उसकी वैश्विक प्रासंगिकता का प्रमाण भी है।

यह रिश्ते की वह मजबूती है जिसकी प्रतिध्वनि आने वाले वर्षों तक अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सुनाई देती रहेगी। हाँ, यह भी सच है कि व्यापारिक असंतुलन, भुगतान से जुड़ी दिक्कतें और कुछ लंबित परियोजनाएँ आगे भी चुनौती बनकर खड़ी रहेंगी। लेकिन इन सबके बावजूद मौजूदा भू-राजनीतिक माहौल एक बात बेहद स्पष्ट कर देता है भारत अब मॉस्को के साथ अपने संबंधों को सिर्फ निभाने भर तक सीमित नहीं रखेगा, बल्कि उन्हें और गहराई और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ाने के लिए तैयार दिखता है।

दरअसल, बदलती दुनिया में यह साझेदारी भारत और रूस दोनों के लिए नए अवसरों के दरवाज़े खोल रही है ऐसे अवसर जो आने वाले दशक में एशिया ही नहीं, बल्कि व्यापक वैश्विक व्यवस्था पर भी असर डाल सकते हैं।

एससी-एसटी पर बढ़ते अपराध और संसद में सवाल

समाज

डॉ.संजीव कुमार

सामाजिक एवं राजनीतिक विशेषज्ञ

भीम आर्मी के संस्थापक और आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद ने संसद के इस शीतकालीन सत्र में अनुसूचित जातियों और जनजातियों पर लगातार बढ़ते जा रहें अपराध पर चिंता जाहिर की हैं और राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग पर तीखा हमला बोला है। उनके शब्दों में ये आयोग अब 'संवैधानिक सजावट' मात्र रह गए हैं जो दलित-आदिवासी समाज के साथ होने वाले अत्याचारों पर खानापूर्ति करते हैं, लेकिन न्याय दिलाने में पूरी तरह असफल हैं।

अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 जिसे आज़ाद भारत में दलितों पर बढ़ते क्रूरतम अपराधों को देखते हुए इस अधिनियम की आवश्यकता महसूस हुई थी। संसद ने माना कि अनुसूचित जातियों और जनजातियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के विभिन्न उपायों के बावजूद, वे असुरक्षित बने हुए हैं। उन्हें कई नागरिक अधिकारों से वंचित रखा जाता है; उन्हें विभिन्न अपराधों, अपमानों, अपमानों और उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। कई क्रूर घटनाओं में, उन्हें अपनी जान और संपत्ति से वंचित किया गया है। विभिन्न ऐतिहासिक, सामाजिक और आर्थिक कारणों से उनके विरुद्ध गंभीर अत्याचार किए जाते हैं। जब देश आजाद हुआ तो इसकी सबसे ज्यादा खुशी अगर किसी को हुई थी तो वह थे गरीब,दलित, शोषित उन्हें लगा कि अब आजाद भारत में वें खुलकर सांस ले सकते हैं। एक सड़क पर चल सकते हैं, एक चौराहे पर बैठ सकते हैं, एक स्कूल में साथ पढ़ सकते हैं, एक कार्यालय में साथ नौकरी कर सकते हैं। अब किसी के आगे वेवजह सर झुकाने की जरूरत नहीं होगी। पर उन्हें क्या पता कि उनका सामना अब हजारों साल के मानसिक रोगियों से पड़ने वाला है। ऐसे मानसिक रोगी जो किसी विशेष जाति में जन्म लेने कारण एक मनुष्य होते हुए भी दूसरे मनुष्य को दोयम दर्जे का मानव समझते हैं। वे लोग कानून के इतने सक्षम होने के बावजूद भेदभाव करने से और उनके साथ पशुओं जैसा बरताब करने से बाज नहीं आने वाले।

वैसे तो भारतीय संविधान में अनुच्छेद 15 और 17 के अनुसार किसी भी तरह के भेदभाव का अंत कर दिया गया था। भारत के सभी नागरिकों को एक समान जीवन जीने का अधिकार प्रदान कर दिया गया था। परंतु फिर भी जब तमाम प्रावधानों के बावजूद दलितों का शोषण और दमन रुकने का नाम नहीं ले रहा था तब सरकार को एससी एसटी एक्ट बनाने की आवश्यकता पड़ी। आज शायद लोग भूल गए होंगे। परंतु इस एक्ट के पहले भारत में ऐसे दर्जनों दलित नरसंहार हुए थे जिसने उनके स्वतंत्रता के सभी सपनों को चकनाचूर कर दिया था(1968 तमिलनाडु के केल्विनमणि में 44 दलितों को कुछ मजदूरी बढ़ाने के मांग पर तथाकथित उच्च जातियों ने सबक सिखाते हुए जिंदा जला दिया था। इसके पश्चात् 1977 बेलछी नरसंहार, 1978 मराठीवाड़ा आंदोलन नरसंहार, 1981 देहुली नरसंहार,1984 करमचेडू नरसंहार, 1987 डालमऊ नरसंहार) जैसे दर्जनों नरसंहार हुए जिसमें दर्जनों दलितों कों सबक सिखाने के नाम पर जिंदा जला दिया गया तो कहीं टुकड़े-टुकड़े कर दिए गए।उनकी महिलाओ, लड़कियों का सरेआम बलात्कार किया गया, नंगा करके घुमाया गया। और यह सब आजाद मुल्क में किसी और ने नहीं बल्कि उनके ही मुल्क के लोगों ने किया था। फिल्म जगत में आज 'फाइल' बनाने की प्रक्रिया चल रही है। आज अगर इन घटनाओं पर फ़िल्में बने तो वे लोग जो

हिंदू राष्ट्र बनाने की बात कर रहे हैं, जो अंबेडकर को मिटाने की बात कर रहे हैं, जो उनके नाम पर सत्ता में बैठे हुए हैं शर्म से डूब कर मर जाएंगे।

30 जनवरी 1990 से लागू इस अधिनियम

को अभी 25 वर्ष भी नहीं हुए हैं और इसे कई बार शिथिल करने और समाप्त करने का प्रयास हो चुका है। जबकि दलितों के साथ होने वाले ये बर्बर अत्याचार ना हिंदू राज्य में समाप्त हुए थे ना मुगल राज्य में न ही अंग्रेजो के शासन में और ना ही आजाद मुल्क में यह रुकने का नाम ले रहा है।

राष्ट्रीय अपराध रिपोर्ट (Ncrb) के आकड़ो के अनुसार विगत दस वर्षो में ऐसे अत्याचारों में 56 प्रतिशत की वृद्धि हुई हैं।एक तरफ तो सत्ता के लिए इन दलितों कों हिन्दू माना जाता हैं और मुस्लिमों के विरुद्ध एक होने की बात कही जाती हैं दूसरी तरफ उनके साथ आज भी पशुवत अपराध जारी हैं। विगत दस वर्षो में जब से देश कों हिन्दू राष्ट्र बनाने की राजनीति आरम्भ हुई हैं दलितों पर अत्याचार और बढ़े हैं।इनमें से कुछ चर्चित अपराधों ने देश और दुनियां कों अचंभित किया हैं। जिनमे ऊना कांड, रोहित वेमूला की आत्महत्या, हाथरस कांड, उन्नाव कांड, सिधी पेशाब कांड जैसे क्रूरतम अपराध शामिल हैं। और ये अपराधि जेल तक भी तभी पहुँचाए गए जब दलित पार्टियों (जिनमे भीम आर्मी ने प्रमुख रूप से दबाव बनाने का कार्य किया हैं) और सामाजिक आंदोलनों का सरकार पर दबाव पड़ा। ऊना कांड पर प्रधानमंत्री जी घड़ियाली आशुँ बहाते नज़र आये थे तो सिधी कांड पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह पीड़ित के पैर पखांरने जैसे नाटक किए थे जबकि यदि वें अपना काम ईमानदारी से करते तो इसकी उन्हें जरुरत नहीं होती। आज ऐसे अपराधों में सजा होने की स्थिति 20 त्न भी नही होती वह भी दशकों लग जाते है इन रसूखदार लोगों को सजा दिलवाने में। जिसके लिए इस परिवार को अपने रोजी-रोटी से समझौता तक करना पड़ता है।एक ऐसा परिवार जो बमुश्किल से अपने लिए दो वक्त का भोजन जुटा पाता है उसके लिए समाज और कानून से न्याय पाने के लिए कितनी मुश्किल लड़ाई लड़नी पड़ती है ,सरकार को इसका अंदाज़ा नही है।

चंद्रशेखर ने सरकार से सवाल पूछा की सरकार अस्पृश्यता, छुआछूत मानने वाले मानसिक रोगियों हेतु जनमाध्यमों का कैसे इस्तेमाल कर रही हैं और समाज पर इसका कितना प्रभाव हो रहा हैं? दरअसल बहुत कम लोग यह जानते होंगे की राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग और राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग कों जनमाध्यमों के जरिए भी समाज कों जागरूक करने हेतु धनराशि की व्यवस्था की जाती हैं। लेकिन सरकार गर्भ निरोध, एड्स, कैंसर, जैसे शारीरिक बीमारियों से निराकरण पर तो ढेरों विज्ञापन प्रसारित करना जानती हैं लेकिन हजारों साल से चले आ रहें छुआछूत, जातिगत भेदभाव जैसे मानसिक बीमारियों हेतु विज्ञापन करने से डरती हैं। मोदी जी सफाई अभियान तो चला सकते हैं लेकिन सफाई कर्म सम्मान अभियान नहीं चला सकते। सर पर मैला ढोना, खुले हाथों से मलमूत्र साफ करना ये सब अपराध भले ना हो पर करने वालों के लिए अभिशाप जरूर हैं।

आज सरकार दलितों के मसीहा कहे जाने वाले बाबा साहब का देश भर में प्रतिमा लगवा रही है। उनके सम्मान में बड़े-बड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। लेकिन यह सब तभी सार्थक माना जाएगा जब ये अमानवीय अपराध रोकने में सरकार कामयाब हो पाएगी।

क्या निरापद जिंदगी के लिए राजनीतिक आसरा जरूरी है?

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज

लेखक स्तंभकार हैं।

आजकल के दौर में किसी के लिए कब, कहां और कैसी विकट स्थिति निर्मित हो जाए? इसका अनुमान नहीं लगाया जा सकता। हालांकि आसन्न संकट का अंदाजा लगाया जा सकता है, लेकिन कभी-कभी कुछ अप्रत्याशित घटनाक्रम आदमी को बुरी तरह से तोड़ कर ही रख देता है। यह जरूर है कि हर किसी को परिवार, समाज, नाते रिश्तेदार और मित्र मंडली के सहयोग से विपरीत परिस्थितियों का सामना करने का विकल्प होता है। लेकिन फिर भी इन सबका कार्य एवं प्रभाव क्षेत्र काफी हद तक सीमित होता है। जिसके चलते आम आदमी असहाय हो जाता है।

यही कारण है कि आम आदमी किसी विशेष परिस्थिति में किसी विशेष 'रक्षा कवच' की आवश्यकता को समझने लगा है। जिसके चलते उसे कभी असुरक्षा बोध न हो सके। इस स्थिति के चलते सर्वथा गैर राजनीतिक वर्ग के साधन संपन्न और विपन्न वर्ग भी कहीं न कहीं किसी न किसी रूप में राजनीतिक रसूख की जरूरत महसूस करने लगे हैं। दरअसल आजकल के दौर में आदमी के राजनीतिक संपर्क व्यावहारिक जीवन में आने वाली छोटी-बड़ी उलझनों से पार लगाने में सहायक बनने लगे है। केवल राजनीति ही ऐसा क्षेत्र है जहां काफी हद तक आज भी निस्वार्थ सेवा भावना के दर्शन हुआ करते हैं।

दरअसल हर स्तर के निर्वाचित जनप्रतिनिधि कुछ न कुछ विशेष अधिकारों से संपन्न हुआ करते है। उनका अपना प्रभाव एवं कार्य क्षेत्र व्यापक हुआ करता है। इनके उच्च स्तरीय संपर्क भी इनकी कार्यक्षमता को बढ़ा देते हैं। समय आने पर वह शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों से जवाब तलब भी कर सकते हैं। जिसके चलते शासन प्रशासन के नुमाइंदों की स्वेच्छाचारिता पर प्रभावी रूप से अंकुश लगता रहा है। हालांकि जनप्रतिनिधियों पर यह दोषारोपण जरूर किया जाता है कि अनेक अवसरों पर वह प्रशासनिक कार्यों में हस्तक्षेप करते रहा करते हैं।

लेकिन इस बात के प्रति आश्वस्त नहीं हुआ जा सकता कि शासन-प्रशासन के नीति नियमों का ईमानदार परिपालन करने के प्रति प्रशासनिक नुमाइंदे समर्पित ही हो। दरअसल स्थिति यहां तक विकट हो चली है कि तमाम तरह के नीति नियम कानून कायदों की ओट में स्वार्थ सिद्धि की प्रक्रिया मूर्त रूप लेती रही है। आमतौर पर हर एक नीति नियम की सुविधानुसार व्याख्या करने का चलन भी आम होता जा रहा है। काफी हद तक भ्रष्टाचार भी शिष्टाचार का स्वरूप ग्रहण करने लगा है। इसके अतिरिक्त अफसरशाही का दंश तो आम आदमी को कचोटता ही रहा है।

शासकीय नुमाइंदे सही या गलत कुछ भी करें तो भी काफी हद तक सुरक्षित होते है। लेकिन निर्वाचित जनप्रतिनिधि द्वारा कुछ गलत करने पर उनका राजनीतिक भविष्य ही दांव पर लग सकता है। वैसे भी देश में लोकतंत्र है इसलिए निर्वाचित जनप्रतिनिधि हर समय जनता की अदालत के कटघरे में ही खड़े दिखाई देते है। एक तरफ वह अधिकार संपन्न होते है तो दूसरी तरफ अपनी जवाबदेही से इनकार भी नहीं कर सकते। यह अलग बात है कि कोई जनप्रतिनिधि केवल और केवल अपने राजनीतिक दल एवं उसके शीर्ष राजनेताओं से ही सीधा संपर्क रखते हो।

ऐसी स्थिति में ऐसे जनप्रतिनिधि आम आदमी के दुख दर्द से कोई सरोकार नहीं रखा करते। वैसे व्यवहार में देखा गया है कि ऐसे जनप्रतिनिधि का राजनीतिक जीवन काल अत्यंत अल्प हुआ करता है। इसके विपरीत जो जनप्रतिनिधि आदमी के सुख दुख के साथी बनते हैं, वे जीवन पर्यंत राजनीतिक दृष्टि से सम्मान पाते है। वैसे भले ही शासकीय कार्य में राजनीतिक हस्तक्षेप को अनुचित ठहराया जाता हो, लेकिन यही हस्तक्षेप अनेक अवसरों पर आम नागरिकों के लिए रक्षा कवच सिद्ध हुआ है। शासन- प्रशासन को अनेक अवसरों पर राजनीतिक दबाव के चलते जनहित के प्रतिकूल निर्णय वापस लेने पड़े हैं।

शासकीय नुमाइंदे एकबारगी बेहिचक आम आदमी के साथ शुष्क व्यवहार कर सकते है। लेकिन हर एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र के आम नागरिकों से शुष्क व्यवहार का खामियाजा भुगतने को बाध्य होते है। उनके लिए आम नागरिकों के हितों के प्रति प्रतिबद्ध रहना ही उनके राजनीतिक भविष्य का निर्धारण करने में सहायक होता है। कुल मिलाकर शासकीय नुमाइंदों की मनमानी या तानाशाही का प्रतिकार करने में आम आदमी सक्षम नहीं होता। लेकिन जनप्रतिनिधि की प्रतिबद्धता आम नागरिकों के प्रति रहा करती है, जिसे नजरअंदाज करना उनके लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा अग्निबाण पब्लिकेशन, 121, देवी अहिल्या मार्ग, इंदौर, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सुर ना सजे तो क्यों गाऊँ मैं, आप ही बताइए

व्यंग्य

नंदकिशोर बर्वे

लेखक व्यंग्यकार हैं।

सुरीले सुर साधक मन्नाडे भी सुर ना सजने पर न गाने की बात कहते थे या स्वयं से पूछते थे कि जब सुर ना सजे तो क्यों और क्या गाऊँ मैं ? ऐसे सुर साधक तो अब में स्वप्न ही रह गए हैं। फिर भी जो सच्चे और सुरुचिपूर्ण आवाज़ के सुर साधक हैं, उन्हें सादर प्रणाम।और उनका अभिनन्दन। वैसे यह आलेख ऊन लोगों के लिए हैं भी नहीं। यह बाकी बचे उन कलाकारों (?!) के लिए है, जो कभी स्वयं से नहीं पूछते कि जब सुर ना सजे तो क्यों गाऊँ मैं?

आपने हमने अपने विद्यार्थी जीवन में 'विज्ञान एक वरदान या अभिशाप' विषय पर खूब निबंध लिखे हैं। यह बात सोलह आने सच है कि विज्ञान के सारे अविष्कारों की खोज के पीछे मानव मात्र के कल्याण की भावना ही रही है। वह तो अभिशाप बाद में बने। जब ऊन अविष्कारों के दुरुपयोग शुरू हुए। मतलब सारे अविष्कार तेज धार वाले चाकू जैसे हैं। अब यह उपयोग करने वाले निर्भर करता है, कि उससे तरकारी काटे या किसी का गला!

यही हो रहा है आजकल सुगम संगीत के साथ। सुगम सहज हो गया है। और इसमें भी फ़िल्मी संगीत की बात करें तो वह तो अति सुगम हो गया है। इसी वजह से उसका मनमाना और मनचाहा दुरुपयोग भी लोग कर रहे हैं। फिर कराओके ने तो सभी को गायक बना दिया है। हर कोई गा रहा है, बिना इस बात की परवाह किये कि भगवान ने उसे सुरीली और गाने लायक आवाज़ दी भी है, या नहीं। उसे तो बस गाना है। अब जो हर हाल और हर पल गाने पर उतारू हो, और हाथ के मोबाइल में कराओके हो, तो फिर किसी और चीज़ की दरकार कहाँ रह जाती है ? इधर पट से आर्केस्ट्रा चालू उधर फट से गाना। भले ही आवाज़ फटे बांस जैसी क्यों न हो। कभी कभी तो लगता है कि इनकी तुलना फटे बांस से कर के उस बेचारे बांस की भी बेइज्जती हो रही है।

हमारे देश में लोकतंत्र है, और जैसे हम में से हरेक को मतदान का अधिकार है। वैसे ही कराओके की कृपा से हरेक को गाने का अधिकार हो चला है। मौलिक अधिकार जैसा। बोले तो गाना मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, और मैं गा कर ही रहूँगा। सुनने वाला अपनी परवाह खुद करे। अरे वह भी कर लो भाई। पर जैसे सिगरेट कि डिबिया पर उसके उपयोग करने पर स्वास्थ्य ख़राब होने की चेतावनी लिखी रहती है। वैसी चेतावनी के साथ गा लो। कि मेरा गाना सुनने से आपको सरदर्द हो सकता है। अपनी जोखिम पर सुनें !

वैसे परंपरा गत रूप से गाना बजाना महफ़िलों का काम था। पर अब तकनीक ने इसे एकाकी बना दिया है। अपना मोबाइल और अपना माईक उठाओ,ब्लू टूथ चालू करो। और शुरू हो जाओ। जय हो कराओके देवता की। पहले गुरु परम्परा में गुरु परखते थे। अपनी कसौटी पर कसकर देखते थे, तब कहीं जा कर गाना सिखाने को राजी होते थे। बरसों की तपस्या से गायक या वादक निखरते थे। निपुण होते थे। और उसी से स्तरीय आवाज़ें श्रोताओं तक पहुँचती थी। और श्रोता सुनकर प्रसन्न होते थे। कहते हैं कि तानसेन अपनी गायकी में जब राग दीपक गाते थे, तब दीप प्रज्जवलित हो उठते थे, और राग मल्हार से बारिश हो जाती थी। पर अब कराओके जैसी तकनीकों ने महागुरु का अवतार ले लिया है, और कहती हैं गायक भवः। अब गाना भी मेगी जैसा हो गया है। दो मिनट में तैयार। अब जब गायक दो मिनट में तैयार होते हों तो उनका प्रभाव भी वैसा ही होगा। न दीप जलेंगे न बारिश होगी। हाँ सुनने वाले के तन मन में आग लगने की सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

वो बात तो आपने भी सुनी ही होगी। पर एक बार और सुन लीजिये। ऐसे ही एक गायक महोदय ने अचानक गाना बंद कर दिया। जिज्ञासुओं ने जानना चाहा कि गाना क्यों बंद कर दिया ? तो बोले गले कि वजह से . फिर पूछा गया कि क्या तकलीफ़ हो गई गले में ? तो वे बोले कुछ ख़ास नहीं बस अड़ोसी पड़ोसी ने कहा है कि गाना बंद कर दो नहीं तो गला दबा देंगे ! तब कहीं जाकर बंद किया।अब आदमी सब कुछ बदल सकता है। गाना बंद कर सकता है, पर पड़ोसी नहीं बदल सकता ना। सो गाना बंद करने में ही भलाई समझी।

इन दिनों गायकों की जो अनियंत्रित बाढ़ सी आई हुई है, उनमें शायद ही कोई खुद से पूछता हो कि सुर ना सजे तो क्यों गाऊँ मैं ? तो भइये गाना ही हो तो पहले खुद को जांचो परखो। किसी जानकर से मार्गदर्शन लो। सुर साधो, आवाज़ को निखरने दो। तब गाओ ताकि लोग चाव से सुनें। सराहें। यह क्या बात हुई कि हरेक गाये ही। बचपन में एक निबंध पढ़ते थे 'नेता नहीं नागरिक चाहिए'। अब कहना होगा कि गायक नहीं श्रोता चाहिए। तो अच्छे श्रोता बनों। गायक तो ऊपर वाला ही बनाता है।

सुशासन

ओपी सांकृत्यायन

सात निश्चय का तीसरा सर्ग..

देश में सरकारों के लिए यह चुनौती है कि वह विकास को लेकर गतिमान तरीके से काम करे और जनता को इस बात के लिए आश्वस्त करे कि सरकार लोक कल्याणकारी दृष्टिकोण की सिर्फ बात ही नहीं करती, बल्कि उस पर अमल भी करती है। इस लिहाज से हाल में संपन्न बिहार विधानसभा चुनाव और उसके नतीजे बहुत कुछ कहते हैं। सबने यह देखा कि समावेशी विकास का संकल्प अगर योजनागत लाभ के तौर पर लोगों, खासतौर पर महिलाओं तक पहुंचता है, तो जनता का भरोसा जीता जा सकता है। तारीफ करनी होगी बिहार में नीतीश सरकार के दो दशक से चले आ रहे शासन की कि उसने इस दिशा में आगे बढ़ते हुए देश को विकास का नया मॉडल दिया। एक ऐसा मॉडल जिसमें महिला और युवाओं के लिए चिंता है, तो वहीं बिजली-पानी जैसी बुनियादी सहूलियतों को सुनिश्चित करने का प्रण भी है। अच्छी बात यह है कि चुनाव में अजेय रहने के बाद नीतीश सरकार इस दिशा में लगातार बड़े निर्णय ले रही है।

सुशासन का संकल्प महज शासकीय चुस्ती का नाम नहीं, बल्कि यह विकास का एक समावेशी विजन है। आज देश में राजनीति की धारा और सत्ता के गणित को लोग चाहे जिस रूप में भी देखें पर सुशासन और विकास का साझा नए और बदलते भारत की शिनाख्त बन चुका है। व्यापक जन-कल्याण से जुड़ी केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं की सफलता से देश में बड़ा बदलाव आया है। आज की तारीख में भारत जहां गरीबी उन्मूलन का कार्यक्रम चलाने वाला दुनिया का शीर्ष राष्ट्र है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों की संपन्नता के लिए उठाए गए कदमों से देश में एक नया मध्यवर्ग विकसित हुआ है। देश में सरकारों के लिए यह चुनौती है कि वह विकास को लेकर गतिमान तरीके से काम करे और जनता को इस बात के लिए आश्वस्त करे कि सरकार लोक कल्याणकारी दृष्टिकोण की सिर्फ बात ही नहीं करती, बल्कि उस पर अमल भी करती है। इस लिहाज से हाल में संपन्न बिहार विधानसभा चुनाव और उसके नतीजे बहुत कुछ कहते हैं। सबने यह देखा कि समावेशी विकास का संकल्प अगर योजनागत लाभ के तौर पर लोगों, खासतौर पर महिलाओं तक पहुंचता है, तो जनता का भरोसा जीता जा सकता है। तारीफ करनी होगी बिहार में नीतीश सरकार के दो दशक से चले आ रहे शासन की कि उसने इस दिशा में आगे बढ़ते हुए देश को विकास का नया मॉडल दिया। एक ऐसा मॉडल जिसमें महिला और युवाओं के लिए चिंता है, तो वहीं बिजली-पानी जैसी बुनियादी सहूलियतों को सुनिश्चित करने का प्रण भी है। अच्छी बात यह है कि चुनाव में अजेय रहने के बाद नीतीश सरकार इस दिशा में लगातार बड़े निर्णय ले रही है।

सरकार बनने के बाद नीतीश कैबिनेट ने पहला बड़ा निर्णय पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं को नौकरी-रोजगार देने के लिए एक अहम प्रशासनिक सुधार के तौर पर लिया। राज्य में पहले से कार्यरत 45 विभागों के अलावा तीन नए विभागों के गठन की मंजूरी दी गई। ये तीन नए विभाग हैं- युवा रोजगार एवं कौशल विकास विभाग, उच्च शिक्षा विभाग और नागर विमानन विभाग। नए विभागों के गठन के साथ ही राज्य सरकार ने प्रशासनिक कार्यों में स्पष्टता लाने के लिए तीन मौजूदा विभागों के नामों में परिवर्तन भी किया है। पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग का नया नाम अब डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, श्रम संसाधन विभाग का श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग तथा कला, संस्कृति एवं युवा विभाग का कला एवं संस्कृति विभाग होगा।

सरकारी कामकाज की दिशा और प्राथमिकता को स्पष्ट करने वाले इस बड़े निर्णय के बाद सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। यह कदम है सात निश्चय कार्यक्रमों के तीसरे संस्करण की घोषणा। गौरतलब है कि सात निश्चय कार्यक्रमों ने ही नीतीश कुमार को सुशासन बाबू के साथ विकास पुरुष की यशस्विता प्रदान की। इस छवि की जन स्वीकृति कितनी बड़ी है यह हालिया चुनाव में भी दिखा। बिहार में नेतृत्व का हर विकल्प जहां उनके नाम के आगे एक बार फिर धराशायी हुआ, वहीं उनकी विकास दृष्टि की प्रासंगिकता फिर से जनता के बीच बड़े बहुमत के रूप में जाहिर हुई।

अब नीतीश सरकार अपने महत्वाकांक्षी सात निश्चय कार्यक्रमों के अब तीसरे चरण को लागू करने जा रही है। मुख्यमंत्री ने खुद इसका ऐलान एक्स पर किया। उन्होंने बताया, '24 नवंबर 2005 को जब से हम लोगों की सरकार बनी, तब से राज्य में कानून का राज है और लगातार 20 वर्षों से सभी क्षेत्रों और सभी वर्गों के विकास के लिए काम किया गया है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि राज्य में सुशासन के कार्यक्रमों के अंतर्गत सात निश्चय (2015-2020) और सात निश्चय-2 (2020-2025) में न्याय के साथ विकास से जुड़े निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के बाद बिहार को सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करने हेतु अब सात निश्चय-3 कार्यक्रमों को लागू करने का निर्णय लिया गया है।'

सात निश्चय के तीसरे चरण का पहला निश्चय है -दोगुना रोजगार और दोगुनी आय। गौरतलब है कि 2023 में राज्य में जाति आधारित गणना के साथ सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण भी कराया गया था। सरकार का लक्ष्य इस सर्वेक्षण के तहत चिह्नित 94 लाख गरीब परिवारों को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार योजनाओं से जोड़ना तथा आवश्यकतानुसार अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त उत्पादों की ब्रिक्री के लिए हाट-बाजारों को विकसित किया जाएगा। अगले पांच वर्षों में एक करोड़ युवाओं के लिए नौकरी और रोजगार के अवसर पैदा करने के लक्ष्य का एलान वैसे भी पहले ही की जा चुकी है।

झारखंड जब तक बिहार के साथ था तो राज्य के विकास में औद्योगिक क्षेत्र का विनियोग खासा अहम था। पर राज्य के विभाजन के बाद इस दिशा में कोई बड़ी पहल नहीं हुई। बिहार सरकार ने इस दिशा में अपने प्रयासों को अब जमीनी सफलता में बदलना चाहती है। लिहाजा सात निश्चय-3 का दूसरा निश्चय 'समृद्ध उद्योग- सशक्त बिहार' है। इसके तहत राज्य में तेजी के उद्योगों के विकास के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में तीन उच्चस्तरीय समितियों का गठन किया जा चुका है। इन समितियों के गठन का मुख्य उद्देश्य है- बिहार को पूर्वी भारत का नया टेक हब बनाना, प्रदेश को विश्वस्तरीय कार्यस्थल के रूप में विकसित करना और राज्य के प्रतिष्ठित उद्यमियों तथा प्रतिभाशाली युवाओं को राज्य के अंदर उद्योग लगाने के लिए प्रोत्साहित करना।

बिहार में आर्थिकी का बड़ा आधार आज भी कृषि है। सात निश्चय-3 का तीसरा निश्चय इससे ही जुड़ा है। इसके तहत किसानों की आय बढ़ाने के लिए वर्ष 2024 से 2029 के लिए गठित चौथे कृषि रोड मैप के काम में और तेजी लाई जाएगी। साथ ही मखाना रोड मैप बनाकर मखाना के उत्पादन एवं प्रसंस्करण को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके अलावा डेयरी एवं मत्स्य पालन पर विशेष जोर दिया जाएगा। सात निश्चय के नए संस्करण में उन्नत शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे का विकास के सबसे लिए सम्मानजनक जीवन सुनिश्चत करने का प्रण लिया गया है।

नीतीश सरकार की विकास दृष्टि और घोषित प्राथमिकताओं को देखकर विकसित भारत के साथ विकसित बिहार के विजन को जमीनी यथार्थ में बदलने की प्रदेशवासियों की आकांक्षा ठोस शक्ल लेने जा रही है। अगर सब कुछ इसी तरह आगे बढ़ा तो अगले पांच वर्षों में बिहार सर्वाधिक विकसित राज्यों की कतार में तो शामिल होगा ही, यह देश में विकास और परिवर्तन की प्रेरक मिसाल भी साबित होगा।

वक्रोक्ति

मनोज जानी

लेखक पत्रकार हैं।

जब 'हवाई' वादे जमीन पर उतर आए

अजीबोगरीब दुनिया है यह, और उससे भी अजीब है हमारी विमानन व्यवस्था। आजकल उड़ानें रद्द होना या बेतहाशा विलंबित होना उतना ही सामान्य है, जितना सुबह उठकर चाय पीना। यह अब कोई दुर्घटना नहीं, यह एक 'सेवा मानक' बन चुका है, जिस पर हमें गर्व होना चाहिए! दृश्य कुछ यूँ होता है- आप बड़ी उम्मीदों और दो महीने की एडवांस बुकिंग के साथ एयरपोर्ट पहुँचते हैं। आपके चेहरे पर छुट्टी की चमक है, और दिल में 'समय की बचत' का संतोष। तभी, एक मीठी-सी आवाज़ लाउडस्पीकर पर गूँजती है, जो किसी फ़रिश्ते की नहीं, बल्कि 'आपकी उड़ान अब उड़ान नहीं रही' का संदेश सुनाने वाली 'शहनाई' जैसी लगती है। यात्रीगण कृपया ध्यान दें! फ़्लाइट संख्या XYZ-786 दिल्ली से स्वर्गलोक (क्षमा करें, मेरा मतलब मुंबई) जाने वाली, अब 'असुविधा' के कारण विलंबित है। विलंब का कारण... कारण मत पूछिए, बस 'असुविधा' है। यह तीन घंटे बाद उड़ेगी। असुविधा के लिए हमें खेद नहीं है, पर कहना हमारी मजबूरी है। तीन घंटे यह सुनकर यात्रीगण ऐसे हिलते हैं, जैसे उन्हें 440 वोल्ट का झटका लगा हो। पर यह तो बस 'ट्रेलर' है, 'पूरी फ़िल्म' अभी बाकी है।

लापरवाही का ललित कला प्रदर्शन

लापरवाही यहाँ सिर्फ़ एक शब्द नहीं, यह एक कला रूप है, जिसका प्रदर्शन एयरपोर्ट पर बड़े चाव से किया जाता है।

व्यवस्था का वजूद

आप काउंटर पर जाते हैं, जहाँ एक कर्मचारी जी अपनी डेस्क पर 'ध्यान मुद्रा' में बैठा/बैठी है। आप पूछते हैं, 'सर/मैम, तीन घंटे क्यों?' जवाब मिलता है, 'क्या करें, विमान कल रात कहीं और उड़ गया था, अब वापस आने में समय लग रहा है।' मतलब, विमान की 'होमसिकनेस' (घर की याद) के कारण हम यात्रीगण परेशान हैं।

पायलट की पहेली- कभी-कभी कारण बताया जाता है, 'पायलट अभी ड्यूटी पर नहीं आए।' ऐसा लगता है जैसे पायलट साहब सुबह अलार्म लगाना भूल गए, या शायद उन्होंने रात को तय किया कि आज 'वर्क फ्रॉम होम' करेंगे, यानी आज विमान नहीं उड़ाएँगे। और एयरलाइन को इसकी खबर तब लगती है, जब 200 यात्री गेट पर खड़े होकर 'पायलट-पायलट' चिल्ला रहे होते हैं।

तकनीकी खराबी का तांडवः सबसे प्रिय बहाना है, 'तकनीकी खराबी।' यह इतना रहस्यमय कारण है कि कोई भी इसका खंडन नहीं कर सकता। क्या खराब हुआ? इंजन? टायर? या शायद कॉफ़ी मशीन? किसी को नहीं पता! बस यह सोचिए कि आपकी सुरक्षा के लिए यह ज़रूरी है, और खुद को सांत्वना दीजिए कि कम से कम आप ज़मीन पर तो सुरक्षित हैं!

मनमानी की मिठास

विलंब और रद्द होने के पीछे सबसे बड़ा हाथ है मनमानी का। एयरलाइन के लिए आप यात्री नहीं, एक 'चलती-फिरती सीट' हैं।

कम यात्री, बड़ा झटका

अगर किसी उड़ान में 50 प्रतिशत से कम सीटें भरी हैं, तो क्या होता है? वे झट से उस उड़ान को किसी और उड़ान में 'मर्ज' कर देते हैं। यानी, आपकी उड़ान 'रद्द' हो गई, और अब आप दूसरी उड़ान के 'बोनस यात्री' बन गए। यह ठीक वैसा ही है, जैसे आप दो टिकट खरीदें और एक फ्री मिले, बस यहाँ फ्री वाला टिकट आपके समय और दिमाग़ का होता है।

कर्मचारियों का 'वीआईपी' व्यवहारः जब आप चिल्लाते हैं, बहस करते हैं, तो कर्मचारीगण ऐसे देखते हैं, जैसे आप उनसे उनके पुरखों की ज़मीन माँग रहे हों। उनका एक ही जवाब होता है, 'हम कुछ नहीं कर सकते। यह मुख्यालय का फ़ैसला है।' यह 'मुख्यालय' इतना रहस्यमय और शक्तिशाली होता है, जैसे यह किसी 'काला जादू' करने वाले गुफ़ा में बैठा हो।

यात्रियों की दुर्दशा-

इस पूरी 'असुविधा' की बलि चढ़ते हैं - यात्रीगण। बच्चे रो रहे हैं, क्योंकि उनकी नानी का घर अब 6 घंटे दूर हो गया है। व्यापारी परेशान हैं, क्योंकि उनकी ज़रूरी मीटिंग अब 'ज़ूम' पर होगी, और डील शायद हाथ से निकल चुकी होगी। बुज़ुर्ग यात्री थक चुके हैं, और एयरपोर्ट की प्लास्टिक वाली कुर्सियाँ उन्हें नरक का अहसास करा रही हैं। एयरलाइन आपको क्या देती है? एक रू. 200 का फूड वाउचर, जिससे आप एक कप चाय और एक सैंडविच खरीद सकते हैं। यानी, आपके 10 घंटे बर्बाद करने का मुआवज़ा - एक अधूरा नाश्ता! तो अगली बार जब आप एयरपोर्ट जाएँ, तो अपनी घड़ी नहीं, बल्कि अपना धैर्य साथ लेकर जाएँ। क्योंकि यह हवाई यात्रा अब सफ़र कम और सत्याग्रह ज़्यादा बन गई है। असुविधा के लिए धन्यवाद! (क्योंकि यहाँ खेद नहीं, बल्कि धन्यवाद कहना ही सही लगता है।)

लोगों के हाथ ही हालात बदल सकते हैं

विचार

ध्रुव शुक्ल

लेखक साहित्यकार हैं।

कमल के फूल पर राजनीतिक भँवरों को मंडराते और उसकी परिक्रमा करते देखकर इस पुष्प के कई नाम याद आते हैं... राजीव, नीरज, पंकज और जलज भी कमल के ही नाम है। राजीवनयन, नीरजनयना और कमलनयन कहकर इस पुष्प से प्रेम से भरी उज्ज्वल आंखों की उपमा दी जाती है। पानी में उत्पन्न होने से इसे जलज कहा जाता है। पंक (कीचड़) से ऊपर उठकर खिलने से यह पंकज कहलाता है। गुण-अवगुण से सने हुए जीवन को समत्व दृष्टि से परखकर राज्यकर्ताओं और प्रजाजनों को राग-द्वेष से ऊपर उठकर कमलपत्रवत निष्काम गुजर-बसर करने की सलाह दी गयी है। राज्यसत्ता और उससे प्रतिबद्ध लोगों का अस्तित्व कमल के पत्ते पर कुछ देर के लिए ठहरी पानी की बूँदों की तरह होता है। वे अचानक ढरक जाती हैं।

कमल योगियों का प्रिय पुष्प है। योगी इस पुष्प को आधार मानकर कई रूपक गढ़ चुके हैं। हमारे शरीर में षटदल कमल की कल्पना योगियों ने ही की है। हमारा हृदय शतदल कमल जैसा है और बुद्धि में बसा हुआ ब्रह्माण्ड सहस्त्रदल कमल की तरह परिकल्पित है। कमल का प्रतीक पंक से ऊँचा उठने की कला सिखाता है, उसमें लिथड़ जाने की नहीं। जिस तरह कमल के पत्ते पर पानी की बूँद सूर्य के प्रकाश में उज्ज्वल झिलमिलाती है बिलकुल उसी तरह लोकतंत्र में सबके जीवन को अपने स्वराज्य में झिलमिलाना चाहिए। राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक कर्म करते हुए संसार में लोकहित साधने का यही मुक्तिदायक उपाय है।

राजनीतिक लोगों को विभेदकारी प्रपंच के पंक (कीचड़) से ऊपर उठकर और आत्मभाव से सबको अपनाकर राज्य का संचालन कर सकना चाहिए। हाथों को भी कर-कमल की उपमा दी जाती है। देश के समूचे जीवन और उसकी आशा-आकांक्षाओं को आत्मीयतापूर्वक थामने के लिए उजले राजीवनयन और श्रम में सहकारी कर-कमल ही चाहिए। फिरंगियों से आज़ादी मिलते ही देश में रोजी-रोटी पैदा करने वाले नये उद्योगों का लोकार्पण तो राष्ट्र नायकों के करकमलों से ही हुआ है।

पुराण कहते हैं कि सृष्टि का रचयिता पंक से उठी कमलनाल के सहारे ही अष्टदल कमल पर विराजमान है। आधुनिक राज्य के राजनीतिक रचनाकारों को इस बात की चिंता करना चाहिए कि यह कमल-प्रतीक राजनीतिक पंक में कहीं लिथड़ न जाये। कमल का फूल अपने से अपने में उठकर पाये जाने वाले स्वराज्य का प्रतीक है। वह सब दिशाओं में सबके खिले हुए जीवन का पहचान चिह्न है। उससे केवल वोट नहीं यह बोध प्राप्त करना चाहिए कि भारत के लोगों के कर-कमल देश के नवनिर्माण में निष्काम भाव से कैसे अपना हाथ बटायें। भेदभाव के पंक में लथपथ नेताओं के कर-कमल नहीं, लोगों के एक साथ उठे हुए हाथ ही देश के हालात बदल सकते हैं।

सरोकार

डॉ. चन्दर सोनाने

लेखक मप्र जनसंपर्क विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं।

सिंहस्थ में शिप्रा के जल में ही लगायेंगे डुबकी

और एक बार फिर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संकल्प व्यक्त किया है कि उज्जैन में 2028 में लगने वाले सिंहस्थ में साधु-संत और श्रद्धालु शिप्रा नदी के जल में ही स्नान करेंगे। पिछली बार की तरह नर्मदा या गंभीर नदी के पानी से स्नान की नौबत नहीं आयेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर अपनी उपलब्धियां बताते हुए यह भी कहा कि पिछले सिंहस्थ में साधु, संतों ने कहा था कि हम पतितपावन शिप्रा नदी में स्नान के लिए उज्जैन आए थे, लेकिन इसमें शिप्रा का पानी है ही नहीं । अगर नर्मदा के पानी से ही स्नान करना था तो, ओंकारेश्वर जाकर भी किया जा सकता था। सिंहस्थ में शिप्रा जल का ही महत्व है, इसलिए राज्य सरकार इस परंपरा को दोबारा जीवंत करेगी।

मुख्यमंत्री ने सही कहा पिछले 2004 के सिंहस्थ में गंभीर के पानी से साधु, संत और श्रद्धालुओं को स्नान करने के लिए मजबूर होना पड़ा था। इसी प्रकार 2016 के सिंहस्थ में श्रद्धालुओं को नर्मदा के पानी में स्नान करना पड़ा था। मुख्यमंत्री के संकल्प से एक बार फिर आस जगी है कि आगामी सिंहस्थ में साधु, संत ही नहीं बल्कि श्रद्धालु भी शिप्रा के जल से ही स्नान कर पुण्य प्राप्त कर सकेंगे।

आइये, देखते है कि सिंहस्थ 2028 में शिप्रा के जल से ये स्नान कैसे संभव हो सकेगा ? मां क्षिप्रा को निरंतर प्रवाहमान बनाएं रखने लिए सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना 614.53 करोड़ की लागत से बनाई गई है। यह परियोजना सिहंस्थ के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी, जिसका कार्य मौके पर प्रारंभ हो चुका है। परियोजना में सेवरखेड़ी में बैराज का निर्माण कर मानसून के समय बैराज से 51 मिली घन मीटर जल को लिफ्ट (उद्वहन) कर सिलारखेड़ी जलाशय में डाला जाएगा। जिसके लिए सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी जलाशय का विस्तार टेंकनूमा आकृति में किया जा रहा है। सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी जलाशय की आकृत्ति से कोई नया डूब क्षेत्र उत्पन्न नहीं होगा। परियोजना से वर्षा के जल का उपयोग कर संपूर्ण वर्ष क्षिप्रा प्रवाहमान रहेगी। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य वर्षा ऋतु में क्षिप्रा नदी के जल को सिलारखेड़ी जलाशय में एकत्र कर पुनः आवश्यकता अनुसार क्षिप्रा नदी में प्रवाहित कर क्षिप्रा नदी को निरन्तर प्रवाहमान बनाना है।

पिछले दिनों उज्जैन के संभागायुक्त श्री आशीष सिंह ने सिवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना का निरीक्षण किया था। इस परियोजना का 60 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए सिंहस्थ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं के स्नान हेतु क्षिप्रा नदी का जल उपलब्ध कराना है। परियोजना पूर्ण हो जाने से क्षिप्रा नदी को स्वच्छ एवं निरन्तर प्रवाहमान किया जा सकेगा एवं उज्जैन शहर की आगामी पेयजल की मांग की पूर्ति की जा सकेगी। इस परियोजना में ग्राम सेवरखेड़ी में 1.45 मि.घ.मी. क्षमता का बैराज निर्माण कर, यहां से तीन मीटर व्यास के 6.50 कि.मी. पाइप लाइन द्वारा क्षिप्रा नदी का जल सिलारखेड़ी जलाशय में संचित किया जाएगा। इस हेतु सिलारखेड़ी जलाशय की क्षमता 51 मी.घ.मी. तक बढ़ाई जा रही है। सिलारखेड़ी जलाशय में संचित जल 1.80 मी. व्यास की 7.00 कि.मी. लंबी पाइप लाइन द्वारा पुनः क्षिप्रा नदी में ग्राम कुंवारिया के समीप आवश्यकता अनुसार छोड़ा जाएगा।

उल्लेखनीय है कि क्षिप्रा के जल को स्वच्छ रखने के लिए एक अन्य खान क्लोज डक्ट परियोजना का भी काम चल रहा है। इसमें खान नदी के दूषित जल को क्लोज डक्ट परियोजना के माध्यम क्षिप्रा में मिलने से रोका जायेगा। अभी हो यह रहा है कि खान नदी का दूषित पानी क्षिप्रा नदी में त्रिवेणी पर मिल रहा है, जिससे आए दिन क्षिप्रा का जल प्रदूषित हो जाता है और श्रद्धालुओं को मजबूरन उसी में स्नान करने के लिए बाध्य होना पड़ता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विकास पुरूष के नाम से जाने जाते हैं। यदि उनकी इस महत्वाकांक्षी सिवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना का काम समय पर पूरा हो जाता है तो शिप्रा के जल से ही साधु-संत और श्रद्धालु स्नान कर सकेंगे। यदि ऐसा होता है, तो मुख्यमंत्री की साधु-संतों और श्रद्धालुओं के लिए यह एक बहुत बड़ी सौगात होगी।

नई व्यवस्था ने बढ़ाई गैस उपभोक्ताओं की परेशानियां

ओटीपी बिना नहीं मिल रहा सिलेंडर

बैतूल। घरेलू गैस वितरण व्यवस्था में ओटीपी-आधारित डिलेवरी प्रणाली ने उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ा दी है, क्योंकि कई उपभोक्ताओं ने अपना मोबाइल नंबर बदल लिया है या सिम बंद हो गई है। ऐसे में बिना ओटीपी सिलेंडर नहीं ले पा रहे हैं। खासतौर पर वे लोग जो ई-केवाईसी नहीं करा पाए हैं, उन्हें लगातार एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। दरअसल पेट्रोलियम मंत्रालय ने एलपीजी उपभोक्ताओं को ई-केवाईसी करवाना अनिवार्य कर दिया है। इसका उद्देश्य यह है कि उपभोक्ता की सही पहचान करने के साथ गैस वितरण प्रणाली को प्रभावी और पारदर्शी बनाया जा सके और गैस सिलेंडर पर दी जा रही सब्सिडी पात्र उपभोक्ता तक पहुंचे। लेकिन अभी तक जिले में ऐसे हजारों गैस उपभोक्ता है, जिन्होंने ई-केवायसी नहीं

कराई है। ऐसे में अगर इन गैस उपभोक्ताओं ने समय रहते ई-केवाईसी नहीं कराई तो गैस उपभोक्ताओं को सिलेंडर लेने से वंचित होना पड़ सकता है। बता दे कि जिले में 3 लाख 48 हजार गैस कनेक्शनधारी हैं और जिन लोगों ने ई-केवायसी नहीं कराई है, उन्हें मिलने वाली सभी प्रकार की सब्सिडी बंद हो सकती हैं। इतना ही नहीं उपभोक्ता का कनेक्शन ब्लॉक भी हो सकता है।

जिले में करीब 2 लाख 10 उज्जवला योजना के लाभार्थी

जिले में कुल 3.48 लाख गैस उपभोक्ता है, जिनमें से 2 लाख 10 हजार उज्जवला योजना के लाभार्थी है। यह वही वर्ग है जो आर्थिक रूप से सबसे कमजोर माना जाता है, लेकिन अब उन्हीं पर नए नियमों का सबसे ज्यादा असर पड़ा है। केवाईसी अनिवार्य होने के बाद बड़ी संख्या में ऐसे उपभोक्ता सामने आ रहे है, जिनका मोबाइल नंबर बदल गया है। नतीजा न तो ओटीपी मिल पा रहा है और न ई-केवाईसी हो रही है। सिलेंडर के लिए भी परेशान होना पड़ रहा है। स्थिति तब और गंभीर हो गई जब पेट्रोलियम कंपनियों ने सिलेंडर की डिलीवरी को पूरी तरह बुकिंग और ओटीपी से जोड़ दिया। पहले लोग एजेंसी या डिलीवरी बॉय से सीधे सिलेंडर से भी लेते है, लेकिन अब यह बिल्कुल संभव नहीं है।

ई-केवायसी नहीं होने पर सब्सिडी होगी बंद

बताया जा रहा है कि ई-केवाईसी नहीं होने पर सब्सिडी बंद हो जाएगी। यानी सरकार द्वारा दी जाने वाली राहत भी अब उन्हीं के लिए कठिन हो गई है, जो पहले से आर्थिक बोझ से जूझ रहे हैं। उपभोक्ताओं का कहना है कि पारदर्शिता के नाम पर बनाई गई यह व्यवस्था व्यावहारिक नहीं है। जिससे लोगों की नाराजगी और बढ़ गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क की कमी अलग समस्या है। कुल मिलाकर, सिलेंडर डिलिवरी की नई व्यवस्था ने उपभोक्ताओं की समस्याएं कम करने के बजाय बढ़ा दी है। गैस उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले गैस सिलेंडर बुक कर देते थे और गैस मिल जाती थी, लेकिन अब ओटीपी बताये बिना गैस एजेंसी के कर्मचारी सिलेंडर नहीं दे रहे है। जिससे उन्हें परेशान होना पड़ रहा है।

इनका कहना है –

जिले में 3.48 लाख गैस उपभोक्ता है। इनमें 2.10 लाख उपभोक्ता उज्जवला योजना के है। सभी को ई-केवायसी करना अनिवार्य है। कितने हितग्राहियों की ई-केवाईसी हुई है, यह मैं देखकर ही बता पाऊंगा।

– के.के. ठेकाम, जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी, बैतूल

मुख्यमंत्री डॉ.यादव के बैतूल प्रस्तावित आगमन को लेकर स्वास्थ्य विभाग की बैठक आयोजित

पुलिस ग्राउंड बैतूल में लगेगा विशाल स्वास्थ्य शिविर, अलग-अलग विधा के 12 चिकित्सा विशेषज्ञ देंगे अपनी सेवाएं

बैतूल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय सभाकक्ष में सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक, समस्त जिला नोडल अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय में पदस्थ अधिकारी, कर्मचारियों की बैठक ली गई। बैठक में सीएमएचओ डॉ मनोज कुमार हुरमाडे ने बताया कि 23 दिसंबर 2025 को मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव का जिले में आगमन होगा। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशों के परिपालन में पुलिस ग्राउंड बैतूल में विशाल स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा, जिसमें अलग-अलग विधा के 12 चिकित्सा विशेषज्ञ अपनी सेवाएं देंगे। सीएमएचओ डॉ हुरमाड़े ने सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के आगमन के दिन जिला चिकित्सालय में अतिरिक्त चिकित्सा सेवाएं, ओटी की व्यवस्था, ट्रॉमा सेंटर में व्यवस्था, आईसीयू की व्यवस्था, पर्याप्त स्टाफ की व्यवस्था, ऑक्सीजन की उपलब्धता, दो रिजर्व प्राइवेट रूम की व्यवस्था एवं ब्लड की उपलब्धता रखना सुनिश्चित करें। आकस्मिक चिकित्सा व्यवस्था के लिए पांच एम्बुलेंस में मेडिकल स्पेशलिस्ट की ड्यूटी मय आवश्यक दवाईयों एवं उपकरणों सहित लगाए। कार्यालयीन कर्मचारियों को निर्देश दिए कि स्थापना शाखा, टीएल शाखा, पेंशन शाखा, जांच, शिकायत शाखाओं में पेंडिंग सभी शिकायतों का

निराकरण कर ई-ऑफिस के माध्यम से कलेक्टर महोदय को जानकारी 16 दिसंबर 2025 की शाम तक अनिवार्य रूप से भेजना सुनिश्चित करें। उन्होंने सिकल सेल नोडल अधिकारी, एनसीडी नोडल अधिकारी, आयुष्मान नोडल अधिकारी एवं समस्त नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने-अपने कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। साथ ही उन्होंने नोडल अधिकारियों को अपने कार्यक्रम अंतर्गत नवीन नवाचार करने एवं प्रदर्शनी स्वास्थ्य शिविर स्थल में लगाने के निर्देश दिये। जिला आयुष चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि शिविर स्थल पर आयुर्वेदिक चिकित्सा काउंटर लगाकर कर सेवाएं दें।

बैतूल के कौशिक मेहरा ने किया जिले का नाम रोशन

बैतूल। जिले के होनहार खिलाड़ी कौशिक मेहरा ने पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का गौरव बढ़ाया है। यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता धार जिले के बदनावर में आयोजित की गई थी, जिसमें मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। चैंपियनशिप में बैतूल जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए कौशिक मेहरा ने पावरलिफ्टिंग एवं डेडलिफ्ट स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। उन्होंने डेडलिफ्ट स्पर्धा में 260 किलोग्राम वजन उठाकर स्ट्रॉन्गेस्ट मैन का खिताब हासिल किया। वहीं पावरलिफ्टिंग स्पर्धा में कुल 650 किलोग्राम वजन उठाकर उन्होंने एक बार फिर स्ट्रॉन्गेस्ट मैन (पावरलिफ्टिंग) का खिताब अपने नाम किया। कौशिक मेहरा की इस

ऐतिहासिक उपलब्धि से पूरे बैतूल जिले में हर्ष का माहौल है। खेल प्रेमियों, परिजनों एवं स्थानीय नागरिकों ने उन्हें इस शानदार सफलता पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कौशिक मेहरा ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार एवं आरडी पब्लिक स्कूल बैतूल तथा विद्यालय की निदेशक ऋचा खंडेलवाल को दिया। उन्होंने बताया कि विद्यालय से मिले अनुशासन, प्रोत्साहन और मार्गदर्शन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुँचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी यह उपलब्धि जिले के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनी है।

दिल्ली रैली के नारे पर कांग्रेस पर तीखा हमला, विक्रम वर्मा बोले-यह राजनीतिक मर्यादाओं का पतन

धार। नई दिल्ली में कांग्रेस द्वारा आयोजित रैली के दौरान लगाए गए आपत्तिजनक नारों को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ लगाए गए नारे–'नरेंद्र मोदी तेरी क़ब्र खुदेगी, आज नहीं तो कल खुदेगी'–को पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा ने बेहद निंदनीय और अस्वीकार्य बताया है।

विक्रम वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवल भारतीय जनता पार्टी के नहीं, बल्कि पूरे देश के प्रधानमंत्री हैं। उनके लिए इस तरह की भाषा का प्रयोग किसी भी सभ्य और लोकतांत्रिक समाज में स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रकार के नारे कांग्रेस की विकृत और नकारात्मक राजनीतिक मानसिकता को दर्शाते हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'मैं स्वयं 50 वर्षों से अधिक समय से राजनीति में हूं। हम भी लंबे समय तक विपक्ष में रहे, कई जिम्मेदार पदों पर कार्य किया, लेकिन कभी भी इस स्तर की कटुता और भाषा की निम्नता का सहारा नहीं लिया।' उन्होंने सवाल उठाया कि इतने गंभीर और आपत्तिजनक नारे लगने के बावजूद कांग्रेस के किसी वरिष्ठ नेता की ओर से अब तक कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया या खंडन क्यों नहीं आया।

वर्मा ने कहा कि लगातार चुनावी हार से उपजी निराशा में कांग्रेस जिस स्तर पर पहुंच गई है, वह बेहद चिंताजनक है। विपक्ष को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है कि लोकतंत्र में विरोध की मर्यादा क्या होनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री के खिलाफ की गई इस अशोभनीय नारेबाजी की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए मांग की कि कांग्रेस नेतृत्व देश से सार्वजनिक रूप से माफी मांगे और भविष्य में स्वस्थ, सकारात्मक और मर्यादित विपक्ष की भूमिका निभाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कांग्रेस ने अपनी राजनीतिक भाषा और आचरण में सुधार नहीं किया, तो देश की जनता लोकतांत्रिक तरीके से उसे लगातार अस्वीकार करती रहेगी। साथ ही पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री वर्मा ने प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु होने की कामना की।

अवैध वसूली से गई युवक की जान, सरकार दे 1 करोड़ मुआवजा: निलय डागा

कांग्रेस का आरोप – हाईवे पर अवैध चेक पोस्ट बनी मौत का कारण, दोषियों पर हत्या का केस दर्ज करने की मांग

बैतूल। नेशनल हाईवे पर ससुंद्रा और उभारीया के बीच लंबे समय से चल रही अवैध वाहन वसूली को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी बैतूल ने गंभीर आरोप लगाते हुए कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। जिला कांग्रेस कमेटी बैतूल के अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक निलय विनोद डागा के नेतृत्व में ग्रामीणों और कांग्रेस जनों ने इस अवैध वसूली को एक आदिवासी युवक की मौत का सीधा कारण बताया और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि ससुंद्रा और उभारीया के बीच नेशनल हाइवे पर सडक़ किनारे आरटीओ लिखा वाहन खड़ा कर तथा अज्ञात लोगों द्वारा बेरिकेट लगाकर वाहन चालकों से अवैध रूप से वसूली की जा रही है। अचानक हाइवे पर बड़े वाहनों को रोके जाने से पीछे से आने वाले वाहन अनियंत्रित होकर टकरा जाते हैं,

जिससे लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। इसी अवैध वसूली और अव्यवस्थित रोक-टोक के कारण उभारीया निवासी आदिवासी युवक नवीन करोचे गंभीर रूप से घायल हुआ, जिसकी भोपाल में उपचार के दौरान मौत हो गई। इस घटना से पूरे क्षेत्र में आक्रोश और असंतोष का माहौल है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष निलय विनोद डागा ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि यह सिर्फ एक दुर्घटना नहीं सुनियोजित लापरवाही और अवैध वसूली का नतीजा है। उन्होंने कहा कि गरीब और आदिवासी परिवारों की जान की कोई कीमत नहीं समझी जा रही है, यह बेहद शर्मनाक है। निलय विनोद डागा ने मांग की कि चेक पोस्ट प्रभारी अनिमेश जैन एवं पंकज श्रीवास्तव तथा उनके अवैध रूप से नियुक्त निजी लोगों पर उभारीया निवासी नवीन करोचे की हत्या का मामला दर्ज किया जाए और उन्हें तत्काल गिरफ्तार किया जाए। साथ ही मृतक नवीन करोचे के आश्रित परिवार को सरकार द्वारा एक करोड़ रुपये का मुआवजा दिया जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष निलय डागा के साथ मुलताई मंडलम अध्यक्ष ताकिउल हसन रिजवी, हर्षवर्धन धोटे, ब्लॉक अध्यक्ष मोनू बड़ोनिया, प्रीतेश गंगारे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि अवैध वसूली पर तुरंत रोक नहीं लगी और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का गंभीरतापूर्वक करें निराकरण : कलेक्टर सूर्यवंशी

बैतूल। बैतूल कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में प्रातः 11 बजे से आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं गंभीरता पूर्वक सुनीं। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया। जनसुनवाई में झल्लार निवासी श्री रामसिंह किराड़ ने आवेदन के माध्यम से अपनी कृषि भूमि पर हुए अतिक्रमण की शिकायत की। जिस पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने एसडीएम और नायब तहसीलदार झल्लार को आवेदन की मौका जांच कर समस्या का समाधान कराने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों का निराकरण समय सीमा में किए जाने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में कुल 123 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट ने भी नागरिकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में सभी विभागीय अधिकारी कर्मचारी

उपस्थित रहे। जनसुनवाई में मुलताई के भगत सिंह वार्ड निवासी अजाबराव ने प्लॉट पर नाली निर्माण होने की शिकायत की। प्राप्त आवेदन पर कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने मुलताई सीएमओ को आवेदक के प्लॉट पर नाली निर्माण होने संबंधी समस्या की विस्तृत जांच कर निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। बैतूल जनपद के ग्राम गोराखार की जगांता उईके ने अपनी भूमि पर पीएम आवास नहीं बनाने देने के संबंध में अपनी समस्या कलेक्टर श्री सूर्यवंशी की बताई, जिस पर कलेक्टर ने जनपद सीईओ बैतूल को आवेदिका की समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए।

परम पूज्य आचार्य भरत सागरजी महाराज का जन्मजयंती महोत्सव व चंद्रमति माताजी के चातुर्मास कलश निष्ठापन कार्यक्रम सम्पन्न

धार। मानतुंग गिरी तीर्थ के प्रेरणा स्त्रोत गुजरात संत केसरी आचार्य भरत सागरजी महाराज का मानतुंग गिरी तीर्थ क्षेत्र धार पर परम पूज्य 105 चंद्रमति माताजी के पावन सानिध्य में जन्मजयंती महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में मंगलाचरण की प्रस्तुति प्रकृति प्रासुक गोधा ने दी। इस अवसर पर प्रातः श्रीजी को विराजमान करने का सौभाग्य जनक भाई शाह सूरत प्रथम अभिषेक करने का सौभाग्य डॉ. जयेश भाई शाह सूरत व शांतिधारा करने का सौभाग्य राजेश देवीलाल शाह व आनंदीबेन किरीट शाह निवासी सूरत को मिला । साथ ही गुरु पूजन करने का लाभ जयेश भाई शाह सूरत परिवार को व गुरुमंदिर पर नई ध्वजा चढ़ाने का सौभाग्य डॉ. जयेश भाई एम शाह

परिवार को मिला। इस शुभ अवसर पर माताजी ने पूज्य गुरुदेव के द्वारा किए गये उपकार को याद करते हुए अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। गुरुदेव ने समाज को आचार्य मानतुंग स्वामी द्वारा रचित काव्य भक्तामर स्त्रोत के महत्व के रूप में मानतुंग गिरी तीर्थ का विकास कर एक अमूल्य धरोहर समाज को दी है। पूज्य माताजी का चातुर्मास सम्पन्न होने पर कलश निष्ठापन किए गये। इस कार्यक्रम में गुजरात इंदौर व अन्य शहरों से गुरुभक्त पधारे। मानतुंग गिरी के विकास के बारे में प्रबंध समिति के अध्यक्ष नरेशजी गंगवाल ने जानकारी दी। संचालन कोषाध्यक्ष किशोर जैन द्वारा किया गया ।आभार सह सचिव मोसम झाँझरी ने माना। जानकारी मीडिया प्रभारी संजय गंगवाल ने दी।

आराध्य देव तीर्थंकर भगवान 1008 श्री पार्श्वनाथ स्वामी व तीर्थंकर भगवान 1008 श्री चन्द्र प्रभ का जन्म व तप कल्याणक आहु तीर्थ में मनाया गया

धार। आराध्य देव तीर्थंकर भगवान 1008 श्री पार्श्वनाथ स्वामी व तीर्थंकर भगवान 1008 श्री चन्द्र प्रभ का जन्म व तप कल्याणक आहु तीर्थ में आचार्य श्री विप्रणत सागर जी महाराज के सानिध्य मे धुम धाम से मनाया गया।

जानकारी देते हुए आहु कमेटी के श्री नवीन गोधा ने बताया कि प्रातःकाल से ही आहु भक्तजनो का आना शुरू हो गया था ।मंदिर मे मुनि श्री के सान्निध्य मे श्री जी के अभिषेक व शांतिधारा हुई जिसका सौभाग्य पारस-पवन गंगवाल को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर विधान मण्डल की पूजा भी सम्पन्न हुई जिसमे सौधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य इंदौर निवासी संजय अर्चना सेठी,ध्वजारोहण का सौभाग्य राजेन्द्र

गंगवाल,जन्माभिषेक करने का सौभाग्य समाज सेवी दानवीर गजेन्द्र -सौ.माया जैन गिन्नी÷ गरुप÷,गुरु देव के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य नरेश श्रेणिक जी गंगवाल धार,गुरूदेव को शास्त्र भेट करने का सौभाग्य नरेश गंगवाल को प्राप्त हुआ ।कार्यक्रम मे आए भक्तों को भोजन में विशेष सहयोग सेठ धनराज कासलीवाल इंदौर व स्वल्पाहार मे विमल जी झांझरी इंदौर ने सहयोग प्रदान किया ।इस अवसर पर एक पालकी जुलूस भी नगर मे धूमधाम से निकला पालकी में श्री जी की प्रतिमा विराजमान थी व आचार्य श्री भी चल रहे थे । प्रारंभ में प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष वीरेंद्र जैन,सुभाष गंगवाल,मयंक छाबड़ा (मामाजी टेंट),राकेश गंगवाल व विकास छाबड़ा ने अतिथियों का स्वागत किया।कार्यक्रम में विहिप के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हुकुम चंद सॉवला जी व कार्यक्रम के सूत्रधार पंडित नितीन झांझरी इंदौर थे । धार के राजेन्द्र-लक्ष्मी बांझल ने कमेटी को पालकी भेंट की वही गिन्नी रुप की ओर से पांडुक शिला व मंदिर के पिछे की ज़मीन जो की उन्होंने एक वर्ष पूर्व ली थी को मंदिर विस्तार हेतु कमेटी को दी। कार्यक्रम का सफल संचालन संजय छाबड़ा ने किया वही आभार चन्द्र प्रकाश गंगवाल ने माना ।

विधानसभा के विशेष सत्र की कार्यवाही के साक्षी बनेंगे स्कूली एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थी

भोपाल। विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध मध्यप्रदेश के विज़न पर चर्चा करने के लिए मध्यप्रदेश विधानसभा के 70 वें वर्ष में प्रवेश पर 17 दिसंबर को आहूत एक दिवसीय सत्र की कार्यवाही के साक्षी विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के लगभग 400 विद्यार्थी भी बनेंगे। वे एक दिवसीय विशेष सत्र के दौरान विधानसभा का भ्रमण करेंगे, इस अवसर पर लगाई गई विशेष प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे और दर्शक दीर्घा में बैठकर सदन की कार्यवाही को देखेंगे।

उल्लेखनीय है कि माननीय विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर की पहल पर 17 दिसंबर 2025, बुधवार को एक दिवसीय विशेष सत्र का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर विधानसभा में मध्यप्रदेश विधानसभा की 7 दशक की यात्रा एवं मध्यप्रदेश सरकार के दो वर्ष के कार्यों पर केन्द्रित विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जा रही है, जिसका उद्घाटन माननीय राज्यपाल श्री मंगु भाई पटेल करेंगे। एक दिवसीय विशेष सत्र में मध्य प्रदेश को विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने पर चर्चा होगी। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में संपूर्ण राष्ट्र 'विकसित भारत' के संकल्प की सिद्धी की ओर अग्रसर है। विकसित भारत के लिए विकसित मध्यप्रदेश आवश्यक है और इसमें विधायिका की अपनी भूमिका और दायित्व है। इस अवसर पर 17 दिसंबर को शाम को विधानसभा के मानसरोवर सभागार में सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया गया है। जिसमें विभिन्न कला समूह रंगारंग प्रस्तुति देंगे। 17 दिसंबर को प्रातः 10.00 बजे माननीय राज्यपाल महोदय श्री मंगु भाई पटेल विधानसभा परिसर में विधानसभा की 7 दशक की यात्रा पर चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर माननीय विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, माननीय नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार, माननीय मंत्रिगण, सदस्यगण, पूर्व विधायक एवं अन्य गणमान्य जन उपास्थित रहेंगे। इस ऐतिहासिक चित्र प्रदर्शनी मे 136 चित्र लगाये गये है । इसमें कुछ दुर्लभ चित्र भी सम्मिलित हैं। ये चित्र प्रथम विधानसभा से वर्तमान सोलहवीं विधानसभा के विभिन्न महत्वपूर्ण अवसरों के हैं। यह प्रदर्शनी आम नागरिकों के लिए भी खुली रहेगी, वे 18 से 25 दिसंबर के बीच विधानसभा में प्रवेश पत्र बनवा कर प्रदर्शनी देख सकते हैं। प्रवेश पत्र के लिए आधार कार्ड लाना आवश्यक रहेगा। इस प्रदर्शनी के साथ मध्यप्रदेश सरकार के विकास कार्यों के भी छाया चित्र लगाए गए है, जिसमें प्रदेश सरकार के 2 वर्ष के कामकाज का लेखा जोखा रखा गया है ।

कार्यालय नगर पालिका परिषद बैतूल (म.प्र.)

क्रमांक/रा.वि./पार्किंग/ ई. टेंडर/14966 बैतूल दिनांक 12/12/2025

// ई-टेन्डर आमंत्रण सूचना //
(प्रथम निविदा आमंत्रण सूचना)

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर देखा जा सकता है।

क्र.	ऑन लाईन निविदा क्र.	कार्य का विवरण	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_468164_1	E-TENDER FOR AWARDING THE CONTRACT FOR VEHICLE STOP FEE COLLECTION WORK AT KOTHI BAZAR BUS STAND BETUL	1-1080 Days 2-35000/- Per Year	1-2000/- 2-5000/-	30/12/2025

नोट - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://mptenders.gov.in/nicgep/app की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी,
नगर पालिका परिषद बैतूल

नर्मदापुरम जिले में एक जिला एक उत्पादन के तहत रेशम की अपार संभावना : प्रभारी मंत्री राकेश सिंह

प्रभारी मंत्री ने जिला विकास सलाहकार समिति की प्रथम बैठक ली

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहां की एक जिला एक उत्पादन के तहत जिले में पर्यटन को लिया गया है लेकिन नर्मदापुरम जिले में रेशम की भी अपार संभावनाएं मौजूद हैं, उन्होंने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीता सरन शर्मा के सुझाव पर एक जिला एक उत्पादन के तहत पर्यटन के साथ-साथ ही रेशम की भी संभावना तलाशने के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री श्री राकेश सिंह रविवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित जिला विकास सलाहकार समिति की प्रथम बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

प्रभारी मंत्री ने नवगठित समिति में शामिल विभिन्न क्षेत्रों के नामांकित सभी 20 सदस्यों का परिचय लिया और जिला विकास सलाहकार समिति के उद्देश्य एवं कार्य की जानकारी देते हुए बताया कि समिति जिले की जनता जनप्रतिनिधियों एवं अन्य हित धारकों की जरूरत और सुझाव के अनुसार जिले की दीर्घकालीन विकास की योजनाएं बनाएगी। जिले के परंपरागत कौशल को चिन्हित कर माननीय प्रधानमंत्री के वोकल फार लोकल के सिद्धांत के दृष्टिगत उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देते हुए जिले की समृद्धि का रोड मैप तैयार करेगी। इसके साथ ही

जिले की स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए शासकीय योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करने के लिए अपने आवश्यक सुझाव भी समय-समय पर देगी। समिति जिले में स्थानीय प्रयासों से नवाचार की योजनाओं को मूर्त रूप देगी। रोजगार सृजन के अवसर एवं विकसित मध्य प्रदेश के लक्ष्य के संबंध में सुझाव देगी। इसके साथ ही उद्योग, व्यापार, जल संरक्षण जल संरचनाओं के संरक्षण, निर्यात कृषि खनिज और पर्यावरण के क्षेत्र में जिले की कार्य योजना बनाने हेतु अपने उपयोगी सुझाव देगी। प्रभारी मंत्री ने सभी सदस्यों से परिचय प्राप्त किया।

बैठक में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम विधायक डॉक्टर सीता सरन शर्मा, सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, पिपरिया के विधायक श्री ठाकुरदास नागवंशी, सिवनी मालवा के विधायक श्री प्रेम शंकर वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती राधा पटेल, नगर पालिका नर्मदापुरम की अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेंद्र यादव, श्रीमती प्रीति शुक्ला, कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना, पुलिस अधीक्षक श्री साई कृष्णा एस थोटा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हिमांशु जैन, सहित समिति के सदस्यगण एवं संबंधित विभाग के अधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधि गण उपस्थित रहे। जिला विकास सलाहकार समिति के संबंध में जानकारी देते हुए कलेक्टर ने बताया कि समिति के अध्यक्ष मुख्यमंत्री है, समिति के उपाध्यक्ष प्रभारी मंत्री और अन्य सदस्य गण में सांसद एवं विधायक गण, नगर पालिका अध्यक्ष, समस्त जनपद पंचायत के अध्यक्ष, जिला पंचायत के अध्यक्ष सदस्य रहेंगे इसके साथ ही उद्योग, व्यापार, समाज सेवा चिकित्सा, प्रगतिशील किसान, विधि के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले ऐसे 20 प्रतिनिधियों को समिति में सदस्य के रूप में नामांकित किया गया है। कलेक्टर ने बैठक में शिक्षा विभाग द्वारा किए जा रहे हैं नवाचार एवं अनुपम प्रयोग के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि शिक्षा विभाग में प्राथमिक शाला के अनुपस्थित बच्चों को पुनः शाला तक पहुंचाने के लिए सिटी बजाओ अभियान शुरू किया गया था। इस अभियान के तहत बच्चों की स्कूलों में उपस्थिति बढ़ी है।

नील पखेरू अभियान भी प्रारंभ किया गया था। जिसमें पक्षियों के लिए सकोरों में पानी एवं दाने की व्यवस्था की गई थी। एक दीपावली शेयरिंग वाली अभियान भी प्रारंभ किया गया था, जिसमें गरीब बच्चों के साथ दीवाली मनाई गई थी। एक पंखा पितरों के नाम अभियान के तहत स्कूलों के लिए दानदाताओं से फर्नीचर प्राप्त किए गए थे। वर्तमान में मिशन परिवर्तन,100 अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के तहत अधिकारियों को स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, छात्रावास आवंटित किए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार

जिला अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में 79 कुपोषित बच्चों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

रायसेन (निप्र)। जिला अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में 79 कुपोषित बच्चों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण, वितरित की गई पोषण किट रायसेन, 14 दिसम्बर 2025 रायसेन जिले को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार महिला बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा समन्वित रूप से अभियान के रूप में कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में गत दिवस महिला एव बाल विकास विभाग और स्वास्थ्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से जिला अस्पताल रायसेन में 79 कुपोषित बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं पोषण किट (पोषण किट में मूंगफली गुड तिल चना मुरमुरे) का वितरण किया गया। रायसेन सीएमओ सुरेखा जाटव, पीएमश्री स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय रायसेन के प्राचार्य किशोर जॉन, ई पीएचई श्री गिरीश कामते द्वारा 5-5 बच्चों को तीन माह के लिए पोषण किट की राशि दी है। इसके अतिरिक्त पत्रकार श्री अरविंद ताम्रकार द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र बरवटपुर तथा श्री कौशल शाक्य द्वारा आंगनबाड़ी कुशयारी गोद ली गई है। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों को दवाइयां का वितरण किया गया एवं माता-पिता काउंसलिंग की गई। माता को पोषण किट का उपयोग कैसे करना है वह भी बताया गया। कार्यक्रम में महिला बाल विकास के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजेश जैन, सीएमएचओ डॉ एचएन मांडरे, डॉ दिलीप माण्डले , हृक्ष्ट से डॉक्टर दीपाली दुबे भी उपस्थित रहीं।

उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री यादव ने रायसेन में बीएलओ की ली बैठक

रायसेन (निप्र)। रविवार को श्री राजेश यादव उपमुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा जिले के विधानसभा क्षेत्र 142- सांची के बीएलओ की रायसेन में बैठक ली गई। बैठक में मुख्य निर्वाचन कार्यालय मध्यप्रदेश भोपाल के अन्य अधिकारी तथा रायसेन एसडीएम श्री मनीष शर्मा सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। उपमुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री राजेश यादव द्वारा बीएलओ से एसआईआर की कार्यवाही की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने 80+ आयु के मतदाताओं के घर जाकर उनसे भी चर्चा की।

गौवंश की उपयोगिता को बढ़ावा देने हेतु गोबर से उत्पाद निर्माण का सतत अभियान

विदिशा (निप्र)। किसानों एवं गो-पालकों को गोवंश की उपयोगिता से अवगत कराने के उद्देश्य से श्री गोपाल गोशाला, मेहलुआ चैराहा में गोमाताओं के गोबर से विविध उपयोगी उत्पादों के निर्माण का क्रम निरंतर जारी है। इसी अभियान को आगे बढ़ाते हुए अब देशी गौमाताओं के गोबर से सम-रानी (धूपध्व्वन) कप तैयार किए जा रहे हैं।इस पहल का मुख्य उद्देश्य गोबर की उपयोगिता को प्रोत्साहित करना, पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा देना तथा ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। गोशाला परिसर में महिलाओं को प्रशिक्षण देकर गोबर से निर्मित उत्पाद तैयार कराए जा रहे हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। गोबर से बने ये सम-रानी कप धार्मिक अनुष्ठानों, हवन एवं दैनिक पूजा-पाठ में उपयोगी होने के साथ-साथ पूर्णतः प्राकृतिक एवं पर्यावरण हितैषी हैं। इस प्रयास से न केवल गोवंश संरक्षण को बल मिल रहा है, बल्कि आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दिशा में भी सार्थक कदम उठाया जा रहा है।

प्रभारी मंत्री राकेश सिंह ने 19 करोड़ की लागत की तीन सड़कों के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया

प्रभारी मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों को किश्त की राशि का वितरण किया

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रदेश के लोक निर्माण विभाग मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री श्री राकेश सिंह ने रविवार को नर्मदापुरम जिले को तीन सड़कों की सौगात दी, उन्होंने 19 करोड़ की लागत से बनाए जाने वाली तीन सड़कों का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रधानमंत्री आवास के 250 हितग्राहियों को एक एक लाख रुपए की आवास राशि की किश्त का भी वितरण किया।

रविवार को जनपद पंचायत नर्मदापुरम के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री ने डिवाइन सिटी से बड़ी पहाड़ियों की ओर जाने वाली सड़क का, नागपुर ओल्ड हाईवे 69 मार्ग से भोपाल तिराहे तक जाने वाले मार्ग एवं परामर्षी गार्डन से डोंगरवाडा ग्राम तक जाने वाली सड़क के निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित हितग्राहियों को संबोधित करते हुए कहा कि

विगत दो वर्ष में लोक निर्माण विभाग ने नर्मदापुरम जिले को 1100 करोड रुपए की राशि विभिन्न सड़कों के निर्माण कार्य के लिए प्रदान की है। उन्होंने बताया कि इसमें सबसे बड़ा मार्ग नर्मदापुरम से टिमरनी मार्ग है जो 900 करोड रुपए से बनने जा रहा है। प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने कहा कि पूर्व वर्षों में सड़कों पर गडडे, अंधेरा हुआ करता था लेकिन आज स्थिति बेहतर से बेहतर हुई है। आज देश एवं प्रदेश में ऐसा नेतृत्व है जो विकास के कार्य करके जनता के सामने अपनी रिपोर्ट कार्ड रखता है। हम जनता के बीच अपने कार्यों का रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत करते हैं। प्रभारी मंत्री ने कहा कि विकास कार्यों को लेकर प्रदेश की जनता मध्य प्रदेश शासन को 100 में से 100 नंबर देती है।

प्रभारी मंत्री ने कहा कि जब एक सड़क बनती है तो वह हमें अपने सुनहरे भविष्य की ओर ले जाती है। सड़के जब बनती है तो समृद्धि के रास्ते खुलते हैं। इन सड़कों से होकर बच्चे स्कूल जाते हैं, मरिज अस्पताल जाते हैं। सड़के बनती है तो लोगों का जीवन यापन आसान होता है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि आज सभी जनप्रतिनिधि विकास के कार्य कर रहे हैं। अब विकास की गंगा को आगे बहने से कोई नहीं रोक सकता है। उन्होंने कहा कि नर्मदापुरम जिला तेजी से विकास करने वाला जिला बन रहा है। मुख्यमंत्री ने यहां निवेश के द्वार खोल दिए हैं। इंडस्ट्री आ रही है, अब इतनी तेजी से नर्मदापुरम जिले में समृद्धि आएगी और यहां पर रोजगार भी उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि अब तक लोगों में यह भ्रांति थी कि नर्मदापुरम जिला कृषि प्रधान जिला है लेकिन अब नर्मदापुरम जिला औद्योगिक क्षेत्र में भी पांव पसार चुका है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि जबलपुर और भोपाल से भी बेहतर रीजनल इंडस्ट्री कान्क्लेव का आयोजन नर्मदापुरम जिले ने करके दिखाया है। नर्मदापुरम जिला असीम संभावनाओं वाला जिला है जो प्रदेश में अपनी ऊंचाई पाकर रहेगा। प्रभारी मंत्री श्री सिंह ने प्रधानमंत्री आवास के हितग्राही श्री केशव यादव, श्री गोकुल प्रसाद एवं श्रीमती शांति बाई को आवास राशि की किश्त प्रदान की।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं नर्मदापुरम के विधायक डॉक्टर सीता सरन शर्मा ने जिले को तीन सड़कों की सौगात देने पर प्रभारी मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रभारी मंत्री से जो भी मांगो मिल जाता है। वह शहर विकास के लिए अनुपम सौगात देते हैं। उन्होंने कहा कि प्रभारी मंत्री के कुशल नेतृत्व में जिला आगे बढ़ रहा है, उन्होंने सभी हितग्राहियों को भी आवास राशि की किस्त मिलने पर शुभकामनाएं दी।

उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बैतूल में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का किया निरीक्षण

बैतूल (निप्र)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार वर्तमान में चल रहे मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत रविवार को उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश भोपाल श्री संजय श्रीवास्तव ने बैतूल जिले की विधानसभा क्षेत्र 132-घोड़ाडोंगरी एवं 131-बैतूल के विभिन्न मतदान केंद्रों पर फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण कर समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान सर्वप्रथम श्री श्रीवास्तव ने विधानसभा क्षेत्र 132-घोड़ाडोंगरी के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शाहपुर के कार्यालय में चल रहे पुनरीक्षण कार्य की प्रगति की समीक्षा की।

इस अवसर पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्री प्रपंज आर द्वारा कार्य की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके पश्चात उन्होंने विधानसभा क्षेत्र 132-घोड़ाडोंगरी के मतदान केंद्र क्रमांक 130, 131, 132, 133 एवं 156 का भ्रमण कर संबंधित बीएलओ के कार्यों का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। दोपहर पश्चात उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने विधानसभा क्षेत्र 131-बैतूल के मतदान केंद्र क्रमांक 102, 128 एवं 134 का निरीक्षण कर बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की।

मतदान केंद्रों पर उपस्थित बीएलओ द्वारा उन्हें बीएलओ एप के माध्यम से अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं रिपीट मतदाताओं की सूची के वाचन, बीएलए को सूची उपलब्ध कराने तथा कार्यवाही उपरांत विवरण को एप पर अपलोड किए जाने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई। इसके उपरांत विधानसभा क्षेत्र 131-बैतूल के पुनरीक्षण कार्य की समग्र समीक्षा की गई, जिसमें निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व डॉ. अभिजीत सिंह तथा सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्रीमती पूनम साहू द्वारा आवश्यक जानकारी प्रस्तुत की गई।

निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मकसूद अहमद, विधानसभा क्षेत्र 132-घोड़ाडोंगरी के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्री प्रपंज आर, विधानसभा क्षेत्र 131-बैतूल के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी डॉ. अभिजीत सिंह, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी श्री टी. विस्के, श्रीमती पूनम साहू, श्री श्याम सिंह उइके, बीएलओ सुपरवाइजर श्री प्रकाशचंद भारतीय, श्री योगेश धुर्वे, श्री केशव सातपुते, श्रीमती अंजली सलामे, श्रीमती रजनी वाईकर सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

छात्राओं के लिए उद्यमिता जागरूकता शिविर का आयोजन हुआ

विदिशा (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय महाविद्यालय विदिशा मे रोजगार और स्वरोजगार की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उद्यमिता विकास केन्द्र मध्यप्रदेश (सेडमैप) द्वारा एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 60 से अधिक छात्राओं को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के प्रायोजक आफिस आफ द डेवलपमेंट कमिश्नर सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार हैं और कार्यक्रम के आयोजक उद्यमिता विकास केन्द्र मध्यप्रदेश (सेडमैप) है। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों में स्वरोजगार की भावना विकसित करना, एमएसएमई और शासकीय योजनाओं की जानकारी देना, स्थानीय स्तर पर व्यावसायिक अवसरों से परिचित करवाना और वित्तीय कौशल को बढ़ावा देना है। प्रशिक्षण में मुख्य रूप से स्वरोजगार की आवश्यकता , स्वरोजगार हेतु किये जाने वाले आवश्यक कार्य, विभिन्न शासकीय स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी प्रशिक्षणार्थियों को दी गई। डॉ. कनक सक्सेना, एचओडी, कम्प्यूटर विभाग एसएटीआई द्वारा छात्राओं को उद्यमिता के क्षेत्र में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने को प्रोत्साहित किया श्रीमती जयंती कुमारी ने जिला व्यापार एवं उद्योग की योजनाओं, एम.एस.एम.ई की योजनाओं की जानकारी और प्रोजैक्ट निर्माण संबंधी जानकारी दी। केवल प्रतापसिंह रघुवंशी, प्रबंध निदेशक, गिल्ड एकाडमी द्वारा सफल उद्यमी की विशेषताऐं बताते हुए विभिन्न प्रोजैक्ट पर कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया। दिनेश कुमार गावड़े जिला समन्वयक, सेडमैप विदिशा द्वारा स्वरोजगार की आवश्यकता और प्रोजैक्ट चयन संबंधी जानकारी दी गई। कार्यक्रम अवसर पर डॉ. एनपी अरोरा, डॉ. मलखान सिंह, प्रो. एएन मिश्रा, प्रो. सविता सोनी, उमेश सनोडिया, राजमाता विजयाराजे सिंधिया, कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विदिशा उपस्थित थे।

सीहोर में साप्ताहिक जैविक प्राकृतिक हाट बाजार का हुआ शुभारंभ

सीहोर (निप्र)। कृषि विभाग द्वारा सीहोर के बाल बिहार मैदान पर आयोजित किए जा रहे जैविक कृषि उत्पादों के हाट बाजार का भाजपा जिला अध्यक्ष श्री नरेश मेवाड़ा एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्री प्रिंस राठौर ने शुभारंभ किया। यह जैविक/प्राकृतिक हाट बाजार अब प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से आयोजित किया जाएगा। हाट बाजार में जैविक अनाज, दालें, विभिन्न प्रकार की जैविक सब्जियां एवं फल, जैविक कच्ची घानी का शुद्ध तेल, वर्मी कम्पोस्ट, जैविक हल्दी, जैविक अश्वगंधा सहित अनेक जैविक उत्पाद उपलब्ध कराए गए हैं। आज आयोजित प्रथम जैविक प्राकृतिक हाट बाजार में जिले के पंजीकृत 25 जैविक कृषकों द्वारा अपने-अपने उत्पाद विक्रय के लिए लाए गए। हाट बाजार के प्रति नगरवासियों में विशेष उत्साह देखा गया, जिसके परिणामस्वरूप किसानों द्वारा लगभग 2 से 2.5 लाख रुपये तक का कुल विक्रय किया गया। नगर के नागरिकों के साथ-साथ विभिन्न अधिकारियों द्वारा भी जैविक उत्पाद खरीदे गए। स्थिति यह रही कि सायं 4 बजे तक अधिकांश किसानों के लगभग सभी उत्पाद विक्रय हो गए। उल्लेखनीय है कि कृषि विभाग द्वारा की जा रही यह पहल जिले में जैविक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ किसानों की आय वृद्धि एवं उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं स्वास्थ्यवर्धक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए की गई है।

प्रभारी मंत्री ने मां नर्मदा प्राकट्योत्सव उत्सव 2026 की तैयारियों की समीक्षा की

नर्मदा प्राकट्योत्सव कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं को घाट तक आने जाने में कोई कठिनाई न हो, आने जाने का मार्ग सुलभ रहे : प्रभारी मंत्री श्री राकेश सिंह

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में मां नर्मदा प्राकट्योत्सव एवं नर्मदापुरम गौरव दिवस महोत्सव का कार्यक्रम भव्य रूप से मनाया जाएगा। नर्मदा प्राकट्योत्सव एवं नर्मदापुरम गौरव दिवस के कार्यक्रम का आयोजन 24 एवं 25 जनवरी 2026 को किया जाएगा। तत संबंध में प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री श्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में कार्यक्रम की तैयारी की समीक्षा की गई। प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए की सेठानी घाट एवं अन्य घाटों पर भव्य रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम स्थल सेठानी घाट पर एवं अन्य घाटों पर इस दौरान श्रद्धालुओं को आने-जाने में किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। श्रद्धालुओं के आवागमन का मार्ग सुलभ रहे। मार्ग पर अनावश्यक वाहनों की पार्किंग एवं जाम की स्थिति ना रहे। प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए की जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी मिलकर आपसी समन्वय से कार्यक्रम को भव्य रूप प्रदान करें।

कार्यक्रम के दौरान पार्किंग की अलग से व्यवस्था सुनिश्चित करें। ताकि वाहनों की अनावश्यक भीड़ इकट्ठी ना हो। प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए की सेठानी घाट पर बनाए जाने वाले जल मंच पर अतिथियों के बैठने की क्षमता का आकलन कर ही बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके लिए उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों को आपसी समन्वय से बैठक व्यवस्था निर्धारित करने के निर्देश दिए। श्री सिंह ने कहा कि कार्यक्रम को भव्य रूप प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक तैयारी सुनिश्चित की जाए। इसके लिए उन्होंने जन प्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारियों को साथ मिलकर दो से तीन बैठक अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का आगमन होगा अतः सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रखी जाए। बैठक में बताया गया कि जल मंच के सामने वाले गुर्ज पर मीडिया के बैठने की व्यवस्था की जाएगी। अतिथियों को सर्किट हाउस से जल मंच तक लाने ले जाने हेतु 8 सीटर वोट तैयार रहेगी। बताया गया कि इस अवसर पर दीपदान का कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। दीपदान के कार्यक्रम में प्लास्टिक एवं प्लास्टिक रेशे के लेयर से लगे हुए दीपो का उपयोग पूर्णत प्रतिबंधित रहेगा। वॉच टावर के पास लगातार अनाउंसमेंट की जाएगी एवं पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी। आमंत्रण पत्र पर मां नर्मदा जयंती के स्थान पर मां नर्मदा प्राकट्योत्सव लिखा जाएगा।

बताया गया कि सेठानी घाट एवं अन्य घाटों पर श्रद्धालुओं की अधिकता को दृष्टिगत रखते हुए पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था एवं यातायात पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। सेठानी घाट एवं अन्य घाटों पर किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना ना हो इसलिए तैराको की पर्याप्त संख्या एवं जल मंच पर निरंतर विद्युत व्यवस्था सुचारू रूप से सुनिश्चित की जाएगी। लोक निर्माण विभाग सभी नर्मदा घाटों की ओर जाने वाले मार्गों पर पार्किंग बैरिकेडिंग के स्थलों का चयन करेगी और तद अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। सभी प्रकार के छोटे बड़े वाहन फाजिल मंजिल के पास सेठ गुरु प्रसाद स्कूल के मैदान ग्राउंड में लगाए जाएंगे। कानून व्यवस्था में लगे वाहनों को छोड़कर अन्य वाहनों को बैरिकेडिंग से जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। बैठक में निर्देश दिए गए की पालतू मवेशी एवं जानवर घाटों पर भीड़ वाले स्थान में प्रवेश न करें, इसके लिए नगर पालिका का अमला विशेष ध्यान एवं निगरानी रखेंगे। सुरक्षा व्यवस्था एवं सूचनाओं के संप्रेषण के लिए कंट्रोल रूम बनाया जाएगा जहां पर चिकित्सा एवं एंबुलेंस सहित चिकित्सा व्यवस्था रहेगी। संपूर्ण कार्यक्रम स्थल पर होमगार्ड जवानों की तैनाती रहेगी। होमगार्ड जवान जल मंच की ओर निरंतर गश्त करेंगे तथा आकस्मिक स्थिति से बचाव के कार्य भी सुनिश्चित करेंगे। प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए की नर्मदा प्राकट्योत्सव एवं नर्मदापुरम गौरव दिवस के अवसर पर जिले में सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था की स्थिति नियंत्रित रहे। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आपसी समन्वय से भव्य रूप से कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए।

श्री अरविंद का भारत और वंदे मातरम् एक विमर्श व्याख्यानमाला का शुभारंभ

विश्व को एक सूत्र में पिरोने वाला गीत है वंदे मातरम्: तोमर

भोपाल (नप्र)। हमारा गौरव, हमारा अभिमान राष्ट्र गीत वंदे मातरम् न सिर्फ भारत को, वरन पूरी दुनिया को एक सूत्र में और सही दिशा में ले जाने की भावना से लिखा गया गीत है। इसे सिर्फ गीत कहना पर्याप्त नहीं होगा बल्कि हमारी सामाजिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत का भी पर्याय है जो हमें, हमेशा याद दिलाता रहेगा कि हमें किस पथ पर क्या करना चाहिए ?

यह विचार मंगलवार को श्री अरविंद सोसायटी, शाखा भोपाल के दिव्यांश रजत जयंती समारोह में विधानसभा के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से व्यक्त किए। श्री तोमर ने कहा कि यह गीत आज भी प्रासंगिक है और हमें आगे बढ़ने और राष्ट्र हित में लगातार प्रयत्न करने की प्रेरणा देता है। रजत जयंती समारोह में ' श्री अरविंद का भारत और वंदे मातरम ' विषय पर आयोजित विमर्श के दौरान श्री अरविंद की व्याख्या करते हुए कहा वे आध्यात्मिक पुरूष ही नहीं, कर्मयोगी भी थे। उन्होंने कहा कि श्री अरविंद का विचार था कि सिर्फ स्वतंत्रता भारत के लिए पर्याप्त नहीं होगी, हमें तो पूर्ण स्वराज चाहिए। इसी अवधारणा को लेकर आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी वंदे मातरम के माध्यम से देश में पूर्ण स्वराज की स्थापना का उद्घोष कर रहे हैं। इससे पहले श्री तोमर ने कहा कि भगवान ने बंकिम बाबू को वंदे मातरम लिखने की प्रेरणा दी और उसी अनुकंपा को आगे बढ़ाते हुए महर्षि अरविंद को भी अग्रसर किया।

श्री तोमर ने कहा कि अतीत में वंदे मातरम पर आपत्ति का विरोध जोरदार ढंग से नहीं किया गया। जोरदार विरोध किया होता तो गीत का विभाजन नहीं होता और भारत का विभाजन नहीं होता। श्री तोमर ने संकल्प का आव्हान करते हुए कहा कि जब तक पूर्ण वंदे मातरम साकार नहीं होगा कोई भी चैन से नहीं बैठेगा।

समारोह के अध्यक्षीय वक्ता राष्ट्रीय स्वयं संघ के क्षेत्र सह कार्यवाह हेमंत मुक्तिबोध ने अपने विचारोत्तेजक उद्बोधन में आव्हान किया कि हमें वंदे मातरम को साकार रूप में अंगीकार करना होगा। वंदे मातरम का एक ही भाव है व्यक्ति के विचार, दृष्टि और कार्य समान होना चाहिए। वंदे मातरम ने करोड़ों लोगों में राष्ट्र वंदना की अलख जगाई। गीत में राष्ट्र भक्ति और अध्यात्म का अदभुत संगम है। गीत ने शताब्दी की दास्ता के खिलाफ जागरण का काम किया। यह गीत अतीत की स्मृति ही नहीं जागता बल्कि उज्जवल भविष्य का उद्घोष भी करता है।

श्री मुक्तिबोध ने आगे कहा कि संपूर्ण वंदे मातरम श्री अरविंद के भाव को व्यक्त करने वाला गीत है। यह बीज मंत्र है, देश भक्ति का, क्रांतिकारी का, नायक का, राजनीति, योगी और महर्षि का। भारत के उत्थान का अर्थ सनातन का उत्थान है। श्री मुक्तिबोध ने कहा कि वंदे मातरम के एक चरण में जन है तो दूसरे चरण में मूल्य। हमें इस बात को समझना होगा कि ऐसी कौन सी मजबूरी थी कि विभाजित गीत को अंगीकार करना पड़ा। यह खतरनाक है। इस गीत के संदर्भ में तीन बातें याद रखना जरूरी है। यह संपूर्ण गीत देश की एक सौ चालीस करोड़ जनता में आत्मबोध जगाने वाला गीत है। आत्मबोध जब तक जागृत नहीं होता कोई भी समाज आत्मसम्मान के साथ खड़ा नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि इसके बाद हमें शत्रु बोध और मित्र बोध भी जागृत करना होगा कि कौन हमारा मित्र है और कौन शत्रु ? श्री मुक्तिबोध ने वंदे मातरम की विभाजित पंक्तियों का जिक्र करते हुए कहा कि जिन पंक्तियों में पुरखों की परंपरा, एकत्ववाद, संस्कृति गूंजती थी, उन्हें छोड़ दिया गया। बल की उपासना छोड़ी, इस कारण शत्रु का हराना छोड़ दिया, जब लक्ष्मी को छोड़ा तो दरिद्रता आ गयी और विद्या व धर्म को छोड़ा तो अर्थ का अनर्थ किया। इस अवसर पर विशेष अतिथि भोपाल दक्षिण पश्चिम विधानसभा के विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि हमें श्री अरविंद के बहुआयामी व्यक्तित्व को समझना होगा और वंदे मातरम के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन की अलख जगाने या यूं कहें वंदे मातरम को आजादी का मंत्र स्थापित करने की उनकी प्रेरणा आज भी प्रासंगिक है। कार्यक्रम में मप्र के मुख्यमंत्री के सांस्कृतिक सलाहकार श्री श्रीराम तिवारी विशेष रूप से उपस्थित थे।

देश भक्ति का बीजमंत्र है वंदे मातरम् - मुक्तिबोध

श्री अरविंद सोसयटी की भोपाल शाखा के अध्यक्ष श्री उमेश त्रिवेदी ने अपने स्वागत भाषण में श्री अरविंद के विचारों और वंदे मातरम को आंदोलन बनाने की यात्रा पर प्रकाश डाला। मध्यप्रदेश चेप्टर के अध्यक्ष मनोज शर्मा ने विषय प्रबोधन किया और श्री अरविंद के बाल्यकाल से लेकर अवसान तक की कई स्मृतियों का उल्लेख किया। सोसायटी के सदस्य श्री आरआर त्रिपाठी ने अपने पिता स्वर्गीय श्री राजाराम त्रिपाठी द्वारा 25 वर्ष पहले श्री अरविंद पर लिखी कविता का पाठ किया। कार्यक्रम के आरंभ में अतिथियों ने श्री माँ और श्री अरविंद के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलन किया। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन सोसायटी के सचिव सतीश चितावर ने किया।

प्रदेश के 7227 श्रमिक हितग्राहियों को दिया 160 करोड़ रुपए का संबल

श्रमिक मप्र को गढ़ने वाले सच्चे सेवक, इनकी मेहनत ही विकास की है बुनियाद : मुख्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार हर उस जरूरतमंद तक योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है, जो इसके वास्तविक हकदार हैं। हमारी सरकार गरीब, लाचार, श्रमिक, निराश्रित और जरूरतमंद नागरिकों को स्नेह, अपनत्व, स्वावलंबन और आर्थिक सहायता का संबल देती रहेगी। प्रदेश की जनता के सुख-दुख में सरकार हमेशा साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में मुख्यमंत्री जनकल्याण (सम्बल 2.0) योजना के तहत सहायता राशि वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के 55 जिलों के 7227 सम्बल हितग्राहियों के बैंक खाते में 160 करोड़ रुपए की अनुग्रह सहायता राशि अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस योजना के प्रारंभ वर्ष 2018 से लेकर अब तक 7.76 लाख प्रकरणों में 7383 करोड़ रुपए की सहायता राशि जरूरतमंद हितग्राहियों को दी जा चुकी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संबल योजना श्रमिकों के कठिन समय की सच्ची साथी है। सरकार हर परिस्थिति में श्रमिकों के साथ खड़ी है। संबल योजना सिर्फ़ आर्थिक सहायता का जरिया ही नहीं, यह सरकार और श्रमिकों के बीच आपसी भरोसे का रिश्ता भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समय के साथ श्रम के स्वरूप भी बदले हैं। हमारी सरकार ने गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को असंगठित श्रमिक का दर्जा दिया है। एक मार्च 2024 से इन्हें भी संबल योजना के दायरे में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि अब तक 1400 से अधिक गिग वर्कर्स पंजीकृत किए गए हैं। गरीबों और श्रमिकों के स्वास्थ्य की चिंता करते हुए हमने संबल हितग्राहियों को आयुष्मान भारत योजना से भी जोड़ दिया है। इससे उन्हें भी 5 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज मिल रहा है। साथ ही 25 लाख से अधिक नए ई-श्रमिक परिवारों को राशन पात्रता देकर उन्हें भी निःशुल्क राशन का लाभ दिया गया है। गर्भवती बहनों के लिए भी सरकार बेहद संवेदनशील है। गर्भावस्था के दौरान उन्हें काम पर न जाना पड़े और उन्हें पोषण की कमी न हो, इसी उद्देश्य से ऐसी बहनों को 16 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब पत्थर तोड़ने वाले, ईंट बनाने वाले, पापड़ अचार बनाने वाले, खाना बनाने वाले, घरों में काम करने वाले मजदूर या तेंदूपत्ता बीनने वाले सभी श्रमिक और उनके परिवार इस योजना से जुड़कर आर्थिक मदद पा रहे हैं। साथ ही प्रदेश की कुशल श्रम शक्ति को सहकारिता के माध्यम से आगे बढ़ाने के लिए हमने 'श्रमणा' जैसी योजनाएं भी शुरू की हैं, जिससे श्रमिक वर्ग आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार हर गरीब और श्रमिक वर्ग के साथ हर कदम पर खड़ी है। कोई भी श्रमिक परिवार खुद को असहाय न समझे। श्रमिक भाई सरकार की सभी सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का भरपूर लाभ उठायें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन में कठिनाई कभी बताकर नहीं आती। ऐसी स्थिति में जमा-पूंजी (पैसा) ही हमें संबल देता है। राज्य सरकार सभी श्रमिक परिवारों के हर मुश्किल वक्त में साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि संबल योजना सभी को एक माला की तरह साथ जोड़कर रखती है।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल कार्यक्रम में अमरकंटक से वर्चुअल शामिल होकर कहा कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में आज संबल योजना के अंतर्गत 7वीं बार हितग्राही परिवारों को राशि अंतरित की जा रही है। संबल योजना के अंतर्गत अब तक 1.83 करोड़ से अधिक श्रमिकों ने पंजीयन कराया है, जबकि संबल 2.0 में 43 लाख लोगों ने पंजीयन किया है। राज्य सरकार ने पूर्व की सरकार का बैकलॉग भी खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब श्रम विभाग इस स्थिति में आ चुका है कि किसी भी संबल प्रकरण में हम मात्र 60 दिन के अंदर हितग्राही को भुगतान कर सकते हैं। यही हमारी दो साल की बड़ी उपलब्धि है।

कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) श्री नीरज मंडलोई, सचिव मुख्यमंत्री श्री आलोक सिंह, सचिव श्रम श्री रघुराज एम.आर., सचिव म.प्र. असंगठित शहरी एवं ग्रामीण कर्मकार कल्याण मंडल श्री बंसत कुर्रे सहित अधिकारी उपस्थित थे। जिलों से जनप्रतिनिधि एवं संबल हितग्रहियों ने वीसी के माध्यम से कार्यक्रम में शिरकत की।

उल्लेखनीय है कि सम्बल योजना श्रमिक एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए एक सुरक्षा कवच के रूप में उभरी है। योजना के तहत महिला श्रमिकों को प्रसूति सहायता के रूप में 16 हजार रुपए दिए जाते हैं, वहीं श्रमिकों के बच्चों की उच्च शिक्षा का पूरा शिक्षण शुल्क भी राज्य सरकार वहन करती है। सामाजिक सुरक्षा को मजबूती देने वाली इस योजना ने लाखों परिवारों की जिंदगी में भरोसे की रोशनी जगाई है। संबल योजना के सभी पंजीकृत हितग्राही 5 लाख रुपए तक का निःशुल्क इलाज भी प्राप्त कर रहे हैं। यह योजना आज आर्थिक सहायता का माध्यम होने के साथ श्रमिक परिवारों के लिए सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का भरोसा भी बन चुकी है।

अस्पताल में चार बच्चों को 'एचआईवी' वाला खून चढ़ाया

चार महीने बाद भी नहीं मिला डोनर, 2 बच्चों की रिपोर्ट एचआईवी पॉजीटिव आई

सतना (नप्र)। सतना जिला अस्पताल के ब्लड बैंक की लापरवाही से थैलेसीमिया से पीड़ित 4 बच्चों को एचआईवी पॉजीटिव ब्लड चढ़ा दिया गया। जिसमें 2 बच्चों की रिपोर्ट एचआईवी पॉजीटिव आई। मामला चार महीने पुराना बताया जा रहा है, जिसका खुलासा अब हुआ है।

चारों बच्चों की उम्र 8 से 11 साल के बीच है। थैलेसीमिया से पीड़ित इन बच्चों को नियमित रूप से ब्लड ट्रांसफ्यूजन की जरूरत पड़ती है। आईसीटीसी में कराई गई जांच में यह सामने आया कि पहले सभी बच्चे एचआईवी नेगेटिव थे, लेकिन बाद की जांच में उनकी रिपोर्ट पॉजीटिव आई। इसके बाद संक्रमण के सोर्स को लेकर जांच शुरू की गई।

बार-बार ट्रांसफ्यूजन में ज्यादा खतरा- ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. देवेंद्र पटेल ने बताया कि थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों को कई बार ब्लड चढ़ाया जाता है। किसी बच्चे को 70, किसी को 80 और किसी को 100 बार तक ट्रांसफ्यूजन हो चुका है। ऐसे मामलों में एचआईवी संक्रमण का जोखिम अधिक रहता है। इसी आधार पर यह जांच की जा रही है कि संक्रमण किस ट्रांसफ्यूजन के दौरान हुआ।

अलग-अलग जगहों से लिया गया था ब्लड- डॉ. पटेल के अनुसार, इन बच्चों को केवल जिला अस्पताल से ही नहीं, बल्कि बिरला अस्पताल (रीवा) और मध्यप्रदेश के अन्य जिलों से भी ब्लड उपलब्ध कराया गया था। ऐसे में सभी संबंधित ब्लड डोनरों की पहचान कर जांच की जा रही है। बच्चों के माता-पिता की भी जांच कराई गई है और वे एचआईवी नेगेटिव पाए गए हैं।

ब्लड लेने से पहले तय मानक अपनाए जाते हैं- डॉ. देवेंद्र पटेल ने बताया कि ब्लड डोनेशन के लिए तय मानकों का पालन किया जाता है। केवल उन्हीं डोनरों से ब्लड लिया जाता है, जिनकी उम्र 18 वर्ष से अधिक, वजन कम से कम 45 किलो और हीमोग्लोबिन 12 ग्राम से ऊपर होता है। ब्लड लेने से पहले प्राथमिक स्वास्थ्य जांच के साथ एचआईवी सहित अन्य संक्रमणों की स्क्रीनिंग की जाती है। उन्होंने बताया कि पहले रैपिड किट से जांच होती थी, जबकि अब एलाइजा तकनीक से एंटीबॉडी डिटेक्ट की जाती है। इस जांच में 20 से 90 दिन के भीतर बनने वाली एंटीबॉडी का पता चलता है, लेकिन शुरुआती विंडो पीरियड में संक्रमण पकड़ में न आने की संभावना बनी रहती है। किट की सेंसिटिविटी भी जांच के दायरे में है।

डोनर ट्रेस करने में आ रही दिक्कत - ब्लड बैंक प्रबंधन के अनुसार जांच में सबसे बड़ी परेशानी गलत मोबाइल नंबर और अधूरे पते सामने आना है, जिससे डोनरों को ट्रेस करने में दिक्कत हो रही है।

अन्य मरीजों में संक्रमण की आशंका- चार बच्चों में संक्रमण सामने आने के बाद यह आशंका भी जताई जा रही है कि एचआईवी संक्रमित ब्लड अन्य मरीजों को भी चढ़ाया गया हो सकता है। ब्लड बैंक से गर्भवती महिलाओं और अन्य मरीजों को भी ब्लड दिया गया था, जिनमें से कुछ दोबारा जांच के लिए नहीं लौटे हैं।

सीएम ने विजय दिवस पर वीर जवानों के शौर्य को किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विजय दिवस पर वीर जवानों के शौर्य को नमन और शहीद जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 16 दिसंबर, 1971 को भारतीय सेना के समक्ष पाकिस्तानी सेना ने घुटने टेक दिए थे। आज का दिन हमारी भारतीय सेना के अदम्य साहस, अनुशासन और रणनीतिक दक्षता का स्वर्णिम अध्याय है। संपूर्ण राष्ट्र इस शौर्य के लिए गौरवान्वित है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तानी सैनिकों के आत्मसमर्पण से समाप्त हुए 1971 के युद्ध के परिणाम स्वरुप बांग्लादेश आजाद हुआ था। इस उपलब्धि और वीर जवानों के शौर्य को नमन करने तथा शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए प्रतिवर्ष 16 दिसम्बर का दिन, विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने जनसंपर्क संचालनालय में सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित किया।

महिलाओं का स्वास्थ्य संरक्षण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल(नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश में महिलाओं का स्वास्थ्य संरक्षण और आपातकालीन सेवाओं को सशक्त बनाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी क्रम में उप-स्वास्थ्य केंद्रों तक सर्वाइकल कैंसर की प्रारंभिक जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को आपातकालीन देखभाल एवं वीआईए आधारित स्क्रीनिंग का प्रशिक्षण देकर हम स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सक्षम, संवेदनशील और जन-सुलभ बना रहे हैं। यह पहल शीघ्र पहचान, समय पर उपचार और सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक निर्णायक कदम है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में महिलाओं के स्वास्थ्य संरक्षण एवं आपातकालीन सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश द्वारा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से कार्यरत सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) के लिए आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं एवं वीआईए आधारित गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर स्क्रीनिंग का तीन दिवसीय संयुक्त प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रथम बैच शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, सिवनी में आयोजित किया गया, जिसमें चिकित्सा महाविद्यालय के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 35 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण के दौरान केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि मैनिकिन आधारित हैंड्स-ऑन प्रैक्टिस के माध्यम से व्यावहारिक

एसआईआर-मृत, शिफ्टेड वोटर्स को ढूंढने मैदान में उतरा अमला

अब तक 1.50 लाख का वेरिफिकेशन, कलेक्टर समेत 551 अफसर-कर्मचारी जुटे

भोपाल (नप्र)। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में ASDR यानी मृत, एब्सेंट, शिफ्टेड, डबल और अन्य कैटेगरी के वोटर्स के वेरिफिकेशन के लिए मंगलवार को अफसर फिर से मैदान में उतरे। अब तक करीब डेढ़ लाख मतदाताओं को क्रॉस चेक करने का दावा है। मंगलवार शाम तक कुल 2 लाख 7 हजार 378 की जांच की जानी थी।

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को 92 वोटर्स का वेरिफिकेशन करना है। भोपाल मध्य विधानसभा क्षेत्र के ये वोटर्स हैं। जानकारी के अनुसार अनकलेक्टेबल कैटेगिरी में शामिल मतदाताओं की जांच के लिए कुल 551 अधिकारी, बीएलओ और सुपरवाइजर की जिम्मेदारी तय की गई है। हर अधिकारी और कर्मचारी को बूथ का जिम्मा सौंपा गया। 15 दिसंबर को उन्होंने करीब 1.40 लाख वोटर्स का सत्यापन कर लिया, जबकि 10 हजार से अधिक आज अब तक (दोपहर डेढ़ बजे) हो चुके हैं। सभी वोटर्स की जांच नहीं होती है तो 18 दिसंबर के बाद उनके नाम हटा दिए जाएंगे। कलेक्टर सिंह ने भोपाल मध्य विधानसभा के पोलिंग बूथ नंबर-150 का जिम्मा लिया है। निगम कमिश्नर संस्कृति जैन को 104, जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी को 108, एडीएम सुमित पांडेय को 109, अंकुर मेश्राम को 106, पीसी शाक्य को 103, प्रकाश नायक के पास 101 वोटर्स की जांच का जिम्मा सौंपा है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता के साथ सभी ज्वाइंट कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और जिला अधिकारियों को भी विधानसभा के हिसाब से जिम्मेदारी दी गई है। वोटर्स के घरों पर जांच कर पता लगाया जा रहा है कि एसआईआर के दौरान जो जानकारी दी गई है, वह सही है या गलत? उप जिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता ने बताया कि ऐसे मतदाता जो मृत, एब्सेंट, शिफ्टेड, डबल और अन्य कैटेगरी में दर्ज हैं, उनकी लिस्ट विधानसभावार जिले की वेबसाइट पर अपलोड की गई है।

राज्यपाल ने किया एम्स का भ्रमण

व्यवस्थाओं की जानकारी ली, रोगियों की कुशल क्षेम पूछी

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने मंगलवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का भ्रमण किया। अस्पताल की व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने रोगियों एवं उनके परिजनों से चर्चा कर कुशल क्षेम जाना। राज्यपाल श्री पटेल ने एम्स परिसर में स्वयं द्वारा पूर्व में रोपे गए पीपल के पेड़ के विकास पर हर्ष व्यक्त कर पौधे को पानी भी दिया। राज्यपाल श्री पटेल ने वर्ष 2022 में एम्स परिसर में पीपल का पौधा लगाया था। एम्स भ्रमण के दौरान वे हमेशा पौधे के रख-रखाव की जानकारी प्राप्त करते रहे। हैं। पौधे को पानी भी देते रहे हैं।

सिंगरौली में कोहरे के चलते हादसा ; यूपी से भरकर आ रहा था वाहन

पिकअप पलटी, चार लोगों की मौत, 3 घायल

सिंगरौली (नप्र)। सिंगरौली जिले के चितरंगी तहसील क्षेत्र में झरकटा पहाड़ सड़क मार्ग पर सोमवार रात एक बजे बड़ा सड़क हादसा हो गया। उत्तर प्रदेश से श्रमिकों को उनके घर छोड़ने आ रही एक पिकअप वाहन पहाड़ी मोड़ पर बेकाबू होकर पलट गया। इस हादसे में चार मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में मरने वाले तीन लोग बगडेवा गांव के थे, जबकि एक सीमावर्ती सोनभद्र जिले के जुगैल क्षेत्र का रहने वाला था। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती जांच में हादसे की वजह कोहरे को माना जा रहा है। मृतकों की पहचान शीलू (32), अमरपाल बैगा (36), लाल कुमार (35) और सूरज लाल बैगा (31) के रूप में हुई है। घायलों में संतोष कुमार, अमरेश कुमार पटेल और नन्हकू केवट की हालत गंभीर बताई जा रही है।

रास्ते में कोहरे के कारण हादसे की आशंका- सूचना मिलते ही नौडिहवा चौकी प्रभारी मनोज सिंह चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चितरंगी भिजवाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

बीती रात घना कोहरा था और विजुअलिटी बेहद कम थी, जिसकी वजह से हादसा होने की आशंका है।